हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 7, अंक: 362, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 25 जून, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

मैनपुरी : दूल्हा-दुल्हन समेत घर में सो रहे पांच लोगों की हत्या

आरोपी ने खुद को गोली मारकर दी जान, दूल्हा और दुल्हन को बांके से काट डाला

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां घर में सो रहे पांच लोगों की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या के बाद आरोपी ने खुद भी आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है। जानकारी के अनुसार, मैनपुरी के किशनी थाना इलाके का गांव गोकुलपुरा अरसारा में शनिवार की सुबह एक परिवार में पांच लोगों के सामूहिक हत्याकांड से इलाका दहल गया। सूचना मिलने के बाद आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पता चला की गांव का रहने वाले शिववीर सिंह ने अपने दो भाई, पत्नी, बहनोई, भाई की नवविवाहित पत्नी और दोस्त कि धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी है। खुद भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। तीन घायल लोगों को अस्पताल भेजा गया। मौके पर कई थानों का फोर्स पहुंची है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हत्याकांड को क्यों अंजाम दिया गया, इसके कारण की पुलिस जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, गांव

गोकुलपुर अरसारा निवासी सुभाष चंद्र यादव के तीन पुत्र शिववीर, सोनू और भुल्लन थे। शुक्रवार को मझले पुत्र सोनू (20) की बरात इटावा के थाना चौबिया क्षेत्र के गांव गंगापुर से लौट कर आई थी।

कोल्ड ड्रिंक में कोई नशे की गोली मिलाकर सभी को पिलाई– घर में नई बहू सोनी (20) के आने से खुशियों का माहौल था। शुक्रवार की देर रात एक बजे तक सभी लोग डीजे बजा कर नाच गा रहे थे। रात में शिववीर ने कोल्ड ड्रिंक में कोई नशे की गोली मिलाकर सभी को पिला दी। सभी के बेहोश होने के बाद शिववीर ने बंके से आंगन में सो रहे भाई भुल्लन (20), बहनोई सौरभ निवासी चांदा हविलिया (26), भाई के दोस्त दीपक (20) फिरोजाबाद की हत्या कर दी।

दुल्हन को भी बांके से काट डाला– इसके बाद छत पर सो रहे सोनू (22) और नवविवाहिता सोनी की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। हमले में पिता सुभाष, आरोपी की पत्नी और मामी गंभीर रूप से घायल हैं। पांच हत्याएं करने के बाद शिववीर ने घर से कुछ दूर जाकर खुद भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती– हत्याकांड की सूचना मिलने के बाद एसपी विनोद कुमार और कई थानों की फोर्स गांव पहुंची। दो घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए गए हैं। हत्याकांड क्यों अंजाम दिया गया, इसकी वजह अभी पता नहीं लग सकी है। पुलिस कारण जानने का प्रयास कर रही है।

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का असर जारी, भीषण गर्मी से मिली राहत

मेरठ। बिपरजॉय चक्रवाती तूफान का असर अभी पश्चिमी यूपी में जारी है। मेरठ और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। धूप के दिनभर दर्शन नहीं हुए। हालांकि, देर रात दो बजे बूंदाबांदी हुई। वहीं शनिवार सुबह हालांकि तेज धूप निकली लेकिन 10 बजे के बाद से आसमान पर फिर से बादल छा गए और एक घंटे बाद ही झमाझम बारिश शुरू हो गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अभी मौसम ऐसा ही बने रहने की संभावना है। बिपरजॉय चक्रवाती तूफान का असर अभी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बना हुआ है। शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। लेकिन दिनभर बारिश न होने से मायूसी हाथ लगी। दोपहर के समय में चली हवाओं ने गर्मी से थोड़ी राहत दी। लेकिन, शाम ढलते ही हवा मंद पड़ गई और फिर से उमस ने परेशान किया। लोगों के पसीने छूटते रहे। वहीं रात दो बजे हल्की बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। वहीं शनिवार सुबह से मौसम में फिर बदलाव देखने को मिला। बारिश के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही का कहना है कि अगले पांच दिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में मध्यम से भारी वर्षा की संभावना है।

भारत-अमेरिका के बीच हुए रक्षा सौदों से तैयार होगा भविष्य का रोडमैप

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नए पायदान पर ले जाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच संयुक्त बयान में बनी सहमति इस बात का साफ संकेत है कि दोनों देशों के रक्षा रणनीतिक संबंधों में अब एक नए युग की शुरूआत होगी। भारतीय वायुसेना के लिए संयुक्त रूप से लड़ाकू जेट इंजन बनाने के लिए अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) और हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच हुए समझौते ने इसका आधार रख दिया है।

जीई और एचएएल के बीच हुआ समझौता साफ संकेत है कि रक्षा क्षेत्र में अमेरिका अब भारत को अहम तकनीक ट्रांसफर करने को भी तैयार है। रक्षा सहयोग की मजबूत होती बुनियाद का ही नतीजा है कि भारत और अमेरिका ने अपने रिश्तों को खरीदार-विक्रेता के दौर से आगे निकाल कर रणनीतिक साझेदारी के दौर में प्रवेश करने के संदेश दिए हैं। मोदी और बाइडन की शिखर बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में रक्षा साझेदारी को दोनों देशों के मजबूत रिश्तों की अहम कड़ी बताया गया है। इसमें कहा गया है कि रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका की प्रमुख साझेदारी वैश्विक शांति और सुरक्षा के एक स्तंभ के रूप में उभरी है। रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप पर

दोनों देशों में जो सहमति बनी है, उससे उन्नत रक्षा प्रणालियों के सह-उत्पादन और सहयोगात्मक अनुसंधान व परीक्षण का रास्ता खुलेगा।

दोनों देशों ने संयुक्त बयान में रक्षा औद्योगिक सहयोग में किसी भी नियामक बाधा को दूर करने की प्रतिबद्धता जताई है। रक्षा औद्योगिक रोडमैप के तहत भारत में विमानों और जहाजों के लिए रसद, मरम्मत और रखरखाव के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए दोनों देश मिलकर काम करेंगे। मोदी और बाइडन ने लाइट कांबैट एयरक्राफ्ट एमके-2 के लिए भारत में इंजन निर्माण के समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए इसकी सराहना की। भारत में इस जेट इंजन के निर्माण से अमेरिकी जेट इंजन प्रौद्योगिकी का पहले से कहीं अधिक हस्तांतरण संभव हो सकेगा। जनरल एटामिक्स एमक्यू-9बी हेल मानव रहित विमान (यूएवी) खरीदने की भारत की योजना को भी दोनों नेताओं ने अहम माना। एमक्यू-9बी को भारत में असेंबल किया जाएगा। इस योजना के हिस्से के रूप में जनरल एटामिक्स स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देने के भारत के दीर्घकालिक लक्ष्यों की खातिर एक व्यापक वैश्विक एमआरओ सुविधा भी स्थापित करेगी। भारतीय नौसेना पहले से ही दो रिपर ड्रोन का संचालन कर रही है, जिन्हें एक अमेरिकी फर्म से पट्टे पर लिया गया है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए यूएस-इंडिया डिफेंस एक्सेलेरेशन इकोसिस्टम की स्थापना की गई है। इसके तहत विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप, उद्योग और थिंक टैंक के नेटवर्क के रूप में संयुक्त रक्षा प्रौद्योगिकी नवाचार और उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी के सह-उत्पादन की सुविधा एक दूसरे को मिलेगी।

केंद्रीय कर्मियों की बायोमीट्रिक सिस्टम से उपस्थिति होगी अनिवार्य, सरकार ने सख्ती का मन बनाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने सभी विभागों से आधार से जुड़े बायोमीट्रिक सिस्टम के जरिये कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था को अनिवार्य करने के लिए कहा है। सरकार ने यह निर्देश सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति में लापरवाही की शिकायतों के बाद दिया है।

आधार इनेबेल्ड बायोमीट्रिक अटेन्डेंस सिस्टम (एईबीएएस) केंद्र सरकार के मंत्रालयों, उनसे जुड़े विभागों और सरकारी संगठनों के कार्यालयों में लगे हैं। हाल ही में हुई समीक्षा में पाया गया कि जिन कार्यालयों में ये सिस्टम लगे हैं वहां पर बड़ी संख्या में कर्मचारी उसके जरिये उपस्थिति दर्ज कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। इसलिए कार्मिक मंत्रालय ने ताजा आदेश जारी करने की जरूरत समझी है। मंत्रालय ने उपस्थिति दर्ज कराने में बरती जा रही लापरवाही को अब और

बर्दाश्त न करने का फैसला किया है। मंत्रालय की ओर से जारी परिपत्र में एईबीएएस के जरिये अनिवार्य रूप से उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कहा गया है। उपस्थिति की इस व्यवस्था का सभी मंत्रालयों और उनसे जुड़े विभागों के कर्मियों को अनिवार्य रूप से अनुपालन करना होगा। विभागाध्यक्षों से बायोमीट्रिक सिस्टम के जरिये उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है। परिपत्र में कहा गया है कि कार्यालय में विलंब से आने और जल्दी जाने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी की लोकप्रियता से डरकर सांप, मेंढक व बंदर आए एक साथ, विपक्षी दलों की बैठक पर शिवराज सिंह का हमला

ग्वालियर (मध्य प्रदेश)। विपक्षी दलों की बैठक पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निशाना साधा। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीएम मोदी की लोकप्रियता का ऐसा सैलाब है कि हर कोई पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कुछ नहीं होने वाला नहीं है। शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी दलों की बैठक पर तंज कसते हुए कहा कि जब भारी बाढ़ आती है, तो सांप, मेंढक और बंदर सभी अपनी जान बचाने के लिए एक पेड़ पर बैठ जाते हैं। पीएम मोदी की लोकप्रियता का सैलाब इतना है कि हर कोई पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहा है, चाहे कितनी भी बार एकजुट हो जाएं, कुछ नहीं होने वाला है। बता दें कि पटना में शुक्रवार को विपक्षी दलों की एक बैठक हुई। इस बैठक में विपक्षी दलों के नेताओं के बीच 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में एकजुट होकर चुनाव लड़ने को लेकर चर्चा हुई। इस बैठक में करीब 15 दलों के नेताओं ने शिरकत की। इससे पहले भाजपा के नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने बैठक पर निशाना साधा था।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की बैठक टांय- टांय फिस्स हो गई है। सुशील मोदी ने कहा कि बैठक कि एक ही उपलब्धि है कि अगली बैठक का स्थान और तिथि तय हो गई। बैठक में न तो प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार, न ही नीतीश कुमार को संयोजक बनाने की चर्चा हुई। उल्टे अरविंद केजरीवाल गुस्से में प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर चले गए।

एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को आइएसएस में भेजने का मिशन गगनयान पर नहीं पड़ेगा असर : जितेंद्र

नई दिल्ली। अगले साल एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) में भेजने की योजना का मिशन गगनयान पर कोई असर नहीं पड़ेगा और यह अपने तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगा। इसका प्रक्षेपण 2024 में निर्धारित है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यह बात कही। भारत-अमेरिका के संयुक्त मिशन की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान बीते रोज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के बाद कहा था कि भारत और अमेरिका 2024 में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने के लिए सहयोग कर रहे हैं। मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका ने 2024 के लिए एक मिशन की योजना बनाई है।

यह किसी भारतीय को ले जाएगा, इस पर अभी काम किया जा रहा है। गगनयान पर काम चल रहा है। इसकी प्रगति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जितेंद्र सिंह ने जोर देकर कहा कि गगनयान पूरी तरह से एक अलग मिशन है जिसकी अपनी समयसीमा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें दोनों को मिलाना नहीं है। आपका प्रश्न इस धारणा पर आधारित है कि जो अंतरिक्ष यात्री आइएसएस जा रहा है, वह गगनयान से है मगर ऐसा नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री पर वास्तविक निर्णय आइएसएस के लिए मिशन को अंतिम रूप दिए जाने के बाद लिया जाएगा। उन्होंने गगनयान के लिए प्रशिक्षित किसी अंतरिक्ष यात्री के आइएसएस की यात्रा करने से इन्कार नहीं किया, ताकि उन्हें अंतरिक्ष उड़ान का प्रत्यक्ष अनुभव मिल सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका से सहयोग के साथ-साथ रूस के साथ भारत का अंतरिक्ष सहयोग भी जारी रहेगा।

सुलतानपुर के आसमान में मिराज, सुखोई, जगुआर ने भरी उड़ान, हवाई पट्टी को छूकर निकले

सुलतानपुर। लड़ाकू विमान मिराज, सुखोई, जगुआर आज सुल्तानपुर के अरवल कीरी करवत में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी पर आज लैंडिंग का अभ्यास किया। लड़ाकू विमानों ने हवा में करतब भी दिखाए। बता दें कि इस दौरान सेना और एयरफोर्स के अधिकारी मौजूद रहे। इस अभ्यास में लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर सहित विभिन्न प्रकार के विमानों ने भी भाग लिया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी पर एयर शो के एक दिन पहले लड़ाकू विमानों सुखोई व जगुआर ने पूर्वाभ्यास किया था। आसमान में करीब घंटे भर तक यह सिलसिला चला। इसके बाद वायुसेना के अधिकारियों ने हवाई पट्टी पर हेलीकाप्टर उतार कर निरीक्षण भी किया था। शुक्रवार को लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनकर लोग आसमान की ओर देखते रहे। एक साथ दोनों विमान उड़ते दिखे। हवाई पट्टी के आसपास सुरक्षा बल और पुलिस का पहरा रहा । यूपीडा के मैनेजर इमरान ने बताया कि लड़ाकू विमानों ने शनिवार को होने वाले एयर शो का रिहर्सल किया। हालांकि शुक्रवार को किसी विमान की यहां लैंडिंग नहीं हुई। 16 नवंबर 2021

को सुखोई, व मिराज ने दिखाए थे करतब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16 नवंबर 2021 को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लोकार्पण इस हवाई पट्टी पर किया था। तत्समय भी वायुसेना के जंगी जहाजों सुखोई व मिराज ने करतब दिखाए थे। मालूम हो कि हवाई पट्टी क्षेत्र में इन दिनों रूट डायवर्जन लागू है। यह 25 जून की रात तक रहेगा।

मऊ के चर्चित रामसिंह मौर्य दोहरे हत्याकांड में मुख्तार अंसारी की पेशी, 15 जुलाई अगली तिथि

मऊ। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिनेश कुमार चौरसिया की अदालत में थाना दक्षिणटोला के रामसिंह मौर्य व गनर सिपाही सतीश कुमार दोहरे हत्याकांड के मामले में शनिवार को मुख्तार अंसारी की वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी हुई। इस मामले में उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के चलते सुनवाई नहीं हो पाई और अगली तिथि 15 जुलाई की नियत कर दी गई। मुख्तार अंसारी की पेशी बांदा जेल से लिंक जुड़ने के बाद वीडियो कांफ्रेंसिंग कराई गई। गौरतलब है कि 12 वर्ष पूर्व जनपद के ठेकेदार मन्ना सिंह दोहरे हत्याकांड के चश्मदीद गवाह रामसिंह मौर्या व उनके गनर सिपाही सतीश कुमार की दक्षिणटोला थाना क्षेत्र में स्थित पुराने एआरटीओ आफिस के

सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्तार अंसारी सहित दर्जन भर लोगों को आरोपित बनाया गया है। वहीं विधायक निधि मामले को लेकर लगे गैंगस्टर के मुकदमे में भी पेशी हुई। इसमें भी 15 जुलाई की तारीख नियत की गई। यह मामला हाजिरी में चल रहा है अभी आरोप नहीं बना है। मामला 19 मार्च 2010 का है। उस दिन रामसिंह मौर्य साथियों के साथ सफारी वाहन में सवार होकर मोहम्मदाबाद से मऊ जा रहे थे। रास्ते में जैसे ही मऊ के दक्षिण टोला थाना क्षेत्र में आरटीओ कार्यालय हकीकतपुर के पास पहुंचे, उसी दौरान मोटरसाइकिल सवार चार बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। गोली लगने से रामसिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि उनके साथ रहे सतवीर के सुरक्षा में लगे कांस्टेबल सतीश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। कांस्टेबल सतीश कुमार को गंभीर हाल में वाराणसी जनपद के लिए रेफर किया गया। वाराणसी पहुंचने पर सतीश कुमार की भी मृत्यु हो गई थी। वहीं इस घटना में वाहन चालक सत्यवीर उर्फ राजा के साथ ही चंद्रशेखर सिंह ने छिप कर अपनी जान बचाई थी। इस हत्याकांड में कुल 11 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज हुई थी। वहीं माफिया मुख्तार अंसारी, राकेश उर्फ हनुमान, अनुज कनौजिया, राजू कनौजिया उर्फ जामवंत, राजेश सिंह उर्फ राजन सिंह नामजद तथा शेष अज्ञात थे।

'जनता को धोखा देने वालों को देना होगा जवाब', पुतिन की वैगनर ग्रुप को धमकी, बोले- कुचल देंगे

रुस। वैगनर ग्रुप को पुतिन की प्राइवेट आर्मी कहा जाता था। वैगनर ग्रुप के लड़ाकों ने यूक्रेन में रूसी सेना के साथ मिलकर युद्ध भी लड़ा। वैगनर ग्रुप चीफ येवगेनी प्रिगोझिन के बगावत के एलान के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि सेना के खिलाफ हथियार उठाने वाला हर व्यक्ति देशद्रोही है। उन्होंने दावा किया है कि रूसी सशस्त्र बलों को स्थिति से निपटने के लिए जरूरी आदेश मिल गए हैं। पुतिन ने कहा, शहर रोस्तोव-ऑन-डॉन में स्थिति कठिन है, हम इसे स्थिर करने के लिए निर्णायक कार्रवाई करेंगे। यूक्रेन के साथ जंग लड़ी रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बगावत की खबर है। वैगनर ग्रुप ने पुतिन के खिलाफ तख्तापलट का एलान किया है। इस बीच, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कसम खाई है कि पीठ में छुरा घोंपने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इन लड़ाकों को रोकने के लिए रूसी सेना ने सड़कों पर टैंक उतार दिए हैं। वैगनर ग्रुप के चीफ येवगेनी प्रिगोझिन ने पुतिन को सत्ता से उखाड़ फेंकने की धमकी दी है। रक्षा मंत्रालय ने प्रिगोझिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। वैगनर ग्रुप को पुतिन की प्राइवेट आर्मी कहा जाता था।

संपादकीय

सरकार की आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया

केंद्र सरकार दिन और रात में बिजली का उपयोग करने के लिए अलग-अलग टैरिफ लागू करने की तैयारी कर रही है। बिजली की दरें तय करने के लिए सरकार टाइम आफ डे का अलग रेट निर्धारित करेगी। पीक टाइम पर बिजली की दरें ज्यादा होंगी। और जब पीक अवर्स नहीं होगा, उस समय बिजली की दरें कम की जाएंगी। सरकार का कहना है कि पीक अवर मैं बिजली के रेट ज्यादा होने के कारण लोग बिजली खपत में नियंत्रण करेंगे। जब बिजली की उपलब्धता ज्यादा होगी। और खपत कम होगी, उस समय बिजली उपभोक्ताओं को 20 फीसदी कम दर पर बिजली देने का प्रावधान किया जा रहा है। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि टीओडी उपक्ताओं के लिए नवीन बिजली प्रणाली फायदे का सौदा होगा। उन्होंने कहा कि पीक आवर, सोलर पावर और सामान्य घंटों के लिए अलग-अलग बिजली के टैरिफ की दरें तैयार की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नए टैरिफ की जागरूकता और प्रभावी बिजली उपयोग के लिए उपभोक्ताओं के बीच में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 1 अप्रैल 2024 से 1 अप्रैल 2025 के बीच के सभी आम उपभोक्ताओं के लिए पीक अवर्स को छोड़कर अन्य घंटों में लगभग 20 फीसदी की रियायत दी जाएगी। केंद्र सरकार ने बिजली उपभोक्ता अधिकार अधिनियम 2020 में संशोधन कर, बिजली शुल्क प्रणाली में दो बदलाव किए हैं। जिसके अनुसार दिन के समय के शुल्क प्रणाली की शुरूआत और स्मार्ट मीटर से जुड़े प्रावधानों को युक्तिसंगत बनाने के लिए व्यापक स्तर पर बदलाव किए जाएंगे। पिछले 3 दशक में बिजली सुधार के जो भी कार्यक्रम सरकार ने तैयार किए हैं। वह सभी जमीनी स्तर पर फेल हुए हैं। बिजली चोरी रोकने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और स्मार्ट मीटर लगाए गए। इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए गए, लेकिन बिजली चोरी रुकने के स्थान पर और बढ़ती चली गई। लाइन लास खत्म करने के लिए खुले वायर के स्थान पर प्लास्टिक कोटेड वायर लगाए गए। जिसमें करोड़ों रुपए खर्च हर साल किए गए। इसके बाद भी लाइन लास कम नहीं हुआ। साल दर साल वह बढ़ता ही जा रहा है। अब सरकार दिन और रात में बिजली की दरें अलग-अलग तय करने जा रही है। इसके लिए अलग-अलग मीटर और अलग-अलग टैरिफ के बिल उपभोक्ताओं को देने के लिए बिजली कंपनियां, करोड़ों रुपए अतिरिक्त खर्च करेंगी। बिजली कंपनियों का खर्च इससे काफी बढ़ेगा। जिस तरह के नियम बनाए जा रहे हैं। विद्युत नियामक आयोग, बिजली कंपनियों के द्वारा प्रस्तुत खर्च के आधार पर बिजली की दरें लगातार बढ़ाती जा रही हैं। बिजली कंपनियों को तो नियामक आयोग से लाभ मिल जाता है। लेकिन आम उपभोक्ताओं की कोई भी सुनवाई नियामक आयोग में नहीं होती है। दोहरे टैरिफ का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा या नहीं। यह तो पता नहीं है, लेकिन बिजली कंपनियां और सरकारी अधिकारी इसके लिए जो प्रावधान करेंगे। उसमें करोड़ों अरबों रुपए जरूर खर्च होंगे। यह अभी तक का अनुभव देखने को मिला है। सरकार जो भी नियम कानून संशोधन करती है। उसके पीछे जो कारण बताए जाते हैं। उसको देखते हुए ऐसा लगता है, कि यह बहुत जरूरी है। लेकिन सरकार ने आज तक यह जानने की कोशिश नहीं की। कि जिन कार्यों के लिए करोड़ों अरबों रुपए खर्च किए गए हैं। उनके परिणाम सार्थक रहे हैं, या नहीं। इलेक्ट्रॉनिक मीटर,स्मार्ट मीटर, एवं विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए के नाम पर बिजली कंपनियों द्वारा अरबों रुपए खर्च किए गए। इसकी वसूली उपभोक्ताओं से की गई। बिजली आपूर्ति के लिए समय-समय पर जो भी कार्य किए गए हैं। उनका लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं का बिजली का खर्च लगातार बढ़ता ही जा रहा है। समय पर बिजली मिलती नहीं है, बार-बार बिजली ट्रिप हो रही है। लोगों के उपकरण खराब हो रहे हैं। जिसको लेकर बिजली उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। बिजली कंपनियों की कोई जिम्मेदारी नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को फ्री बिजली या विभिन्न समुदायों के लिए बिजली में रियायत देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अभी तक का अनुभव यही है। बिजली कंपनियों के खर्चे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदना पड़ रही है। बिजली कंपनियों द्वारा जो नए नए प्रयोग किए जा रहे है। उसका खामियाजा बिजली उपभोक्ताओं को साल दर साल भुगतना पड़ रहा है। सरकार यदि कोई कानून और नियम बनाती है। तो उसका क्रियान्वयन सही तरीके से हुआ या नहीं। इसकी जिम्मेदारी भी तय की जाने की जरूरत है।

विराट सत्ता की झांकी

ईश्वर चेतना निराकार है। साकार तो उसका कलेवर भर दिखता है। ईश्वर का दृश्य स्वरूप यह विराट ब्रह्माण्ड है। अर्जुन, यशोदा, कौशल्या आदि का मन ईश्वर दर्शन के लिए व्याकुल हुआ तो उन्हें इसी रूप में दिव्य दर्शन कराये गये। इसके लिए दिव्य नेत्र दिये गये। कारण, स्थूल दृष्टि से विराट विश्व को नहीं देखा जा सकता। जिन्हें पूर्व कथानकों के अनुरूप दर्शन ही भक्ति भावना का सफलता का आधार दिखाई पड़ता है, उनके लिए प्रतिमा-प्रतीकों का निर्धारण किया गया है। व्यापक चेतना की सत्ता तो सभी प्राणियों में समान रूप से विद्यमान है। मात्र शरीरधारी आकार ही चाहिए तो फिर भगवान की आकृति किसी भी प्राणी के रूप में हो सकती है पर यह परिकल्पना रास नहीं आती और मनुष्य शरीर का अभ्यास होने के कारण अधिक मनभावन प्रतीत होता है। इसलिए प्रतिमाओं में मनुष्याकृति को ही प्रमुखता दी गयी है। यों तत्त्वदर्शियों ने मछली, वाराह, नृसिंह आदि को भी भगवान के अवतार बताकर प्राणी मात्र में दिव्य सत्ता का दर्शन करने का संकेत किया है, पर वह प्रतीक सब में प्रतिष्ठित न हो सका। चित्रों, प्रतिमाओं में देवी-देवताओं के वाहन पशु-पक्षी हैं पर उन्हें सेवक भर की मान्यता मिल सकी। यद्यपि निर्धारण कताओं का अभिप्राय यही था कि प्राणी मात्र में ईश्वर की झांकी की जाए और उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा दिव्य संरचना के हर घटक के साथ किया जाना उचित है। शिव का नंदी, सरस्वती का हंस, लक्ष्मी का हाथी, दुर्गा का सिंह प्रायः चित्रण में आते हैं। जब उच्च स्तरीय संवेदना उभरती है, तो अपने ही अंतराल से भगवान का आंशिक अवतरण हुआ समझा जा सकता है। जब वे सद्भावनाएं क्रिया रूप में परिणत होने के लिए मचल पड़ें और लोभ, मोह के बंधनों से बंधने में इंकार करने लगें, तो समझना चाहिए कि दिव्य अनुकंपा का आवेश आत्म चेतना पर अपना अनुग्रह बरसाने लगा है। शक्तियां सदा निराकार होती हैं। पवन का आकार कहां है? पर जब वह अंधड़ के साथ जुड़ जाता है, तो आंधी ही वायु रूप में दर्शन देती है। शब्द निराकार है पर जब जिह्वा, होंठ, कंठ आदि के माध्यम से वाणी मुखर होती है, तो उन अंगों का परिचालन वाणी का साकार स्वरूप दिखाई पड़ता है। वाद्य यंत्र भी ध्वनि के उद्गम के रूप में दृष्टिगोचर होते हैं। इसीलिए उच्च उद्देश्यों में निरत महामानवों को बहुधा अवतार की, भगवान की संज्ञा दी जाने लगती है। श्रेष्ठ भाव संवेदनाओं की तरह आदर्शवादी क्रियाकलाप दैवी अनुग्रह से गतिशील माने जाने लगते हैं।

एक देश में अलग-अलग धर्मों के हिसाब से अलग-अलग कानून कैसे हो सकते हैं?

आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये अपूर्व वातावरण बन रहा है, इसके लिये वर्तमान में समान नागरिक कानून की चर्चा बहुत ज्यादा है। यह भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। राष्ट्र का कोई भी व्यक्ति, वर्ग, सम्प्रदाय, जाति जब-तक कानूनी प्रावधानों के भेदभाव को झेलेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता, एक राष्ट्र की चेतना जागरण का स्वप्न पूरा नहीं हो सकता। समान नागरिक संहिता दरअसल एक देश एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून की व्यवस्था का प्रस्ताव है। भारत के विधि आयोग ने 14 जून 2023 को राजनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील इस मुद्दे पर देश के तमाम धार्मिक संगठनों से सुझाव 30 दिनों के अंदर आमंत्रित किए हैं। विधि आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता को लेकर सुझाव आमंत्रित किए जाने के बाद इस पर बहस एक बार फिर से उग्र रूप से शुरू हो गई है। समान नागरिक संहिता यानि यूनिफॉर्म सिविल कोड में संपत्ति के अधिग्रहण और संचालन, विवाह, उत्तराधिकार, तलाक और गोद लेना आदि को लेकर सभी के लिए एकसमान कानून बनाया जाना है।

समान नागरिक संहिता को लेकर भी एक ऐसा फोबिया बन गया है जिससे देश की सियासत को धर्मों में बांटने की कोशिशें की जा रही हैं। सियासत में ध्रुवीकरण की राजनीति जमकर हो रही है। बेहतर यही होगा कि मुस्लिम समाज अपनी गलतफहमियों को दूर करे। यद्यपि भारतीय संविधान में सभी को अपना धर्म मानने और उसका प्रचार करने की आजादी दी गई है। मजहब भले ही अलग-अलग हों लेकिन देश एक है। ऐसे में यह सवाल उठना भी लाजमी है कि एक देश में अलग-अलग धर्मों के हिसाब से अलग-अलग कानून कैसे औचित्यपूर्ण हो सकते हैं, फिर बवाल क्यों? देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल अपने राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक के चलते मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे। भारत विविधताओं से भरा देश है। यहाँ विभिन्न पंथों व पूजा पद्धतियों को मानने वाले लोग रहते हैं। इन सबके शादी करने, बच्चा गोद लेने, जायदाद का बंटवारा करने, तलाक देने व तलाक उपरांत तलाकशुदा महिला के जीवनयापन हेतु गुजारा भत्ता देने आदि के लिए अपने-अपने धमार्नुसार नियम, कायदे व कानून हैं। इन्हीं नियमों, कायदे व कानूनों को पर्सनल लॉ कहते हैं। अंग्रेज जब भारत आए और उन्होंने यह विविधता देखी, तो उस समय उन्हें लगा पूरे देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक समान नागरिक आचार संहिता बनानी आवश्यक है। जब उन्होंने ऐसा करने की कोशिश की तो हर धर्मों के लोगों ने इसका विरोध किया। ऐसे में उन्होंने लम्बे समय तक यहाँ अपने पांव जमाये रखने के लिए किसी से उलझना ठीक नहीं समझा। इन परिस्थितियों में 1860 में उन्होंने इंडियन पैनल कोड तो लागू किया पर इंडियन सिविल कोड नहीं। यानि एक देश-एक दंड संहिता तो लागू की, लेकिन एक देश-एक नागरिक संहिता लागू करने की जिम्मेदारी एवं साहसपूर्ण काम नहीं किया। उसके बाद बनी सरकारों ने तो अंग्रेजों की सोच एवं नीतियों का ही अनुसरण किया, इसलिये उन्होंने भी अपने राजनीतिक हितों के लिये इसे लागू नहीं किया। जबसे नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए ऐसे राष्ट्रहित के निर्णय लेकर राष्ट्र को नया उजाला एवं सांसें दी हैं। आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर रहा है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन में होता है। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं-कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है।

वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। 1985 में शाहबानो केस के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड का मामला सुर्खियों में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के बाद शाहबानो के पूर्व पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि पर्सनल लॉ में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होना चाहिए। तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद में बिल पास कराया था। इस कानून के समर्थकों का मानना है कि अलग-अलग धर्मों के अलग कानून से न्यायपालिका पर बोझ पड़ता है। समान नागरिक संहिता लागू होने से इस परेशानी से निजात मिलेगी और अदालतों में वर्षों से लंबित पड़े मामलों के फैसले जल्द होंगे। शादी, तलाक, गोद लेना और जायदाद के बंटवारे में सबके लिए एक जैसा कानून होगा फिर चाहे वो किसी भी धर्म का क्यों न हो। देश में हर भारतीय पर एक समान कानून लागू होने से देश की राजनीति पर भी असर पड़ेगा और राजनीतिक दल वोट बैंक वाली राजनीति नहीं कर सकेंगे और वोटों का ध्रुवीकरण नहीं होगा। समान नागरिक संहिता लागू होने से भारत की महिलाओं की स्थिति में भी सुधार आएगा। कुछ धर्मों के पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार सीमित हैं। इतना ही नहीं, महिलाओं का अपने पिता की संपत्ति पर अधिकार और गोद लेने जैसे मामलों में भी एक समान नियम लागू होंगे। संविधान निमार्ताओं की मंशा थी कि अलग-अलग धर्म के लिए अलग-अलग कानूनों के बजाय सभी नागरिकों के लिए धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र और लिंग निरपेक्ष एक ह्यभारतीय नागरिक संहिताह्न लागू होना चाहिए। लेकिन भारत में जब भी समान नागरिक संहिता की बात उठती है तो उसका इस आधार पर विरोध किया जाता है कि यह एक वर्ग विशेष को निशाना बनाने की कोशिश है। इसके विरोध में तरह-तरह के कुतर्क दिए जाने लगे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की मानें तो समान नागरिक संहिता पर विधि आयोग की पहल मोदी सरकार के ध्रुवीकरण का एजेंडा है। क्या वह यह कहना चाहते हैं कि संविधान निमार्ताओं ने ध्रुवीकरण के किसी एजेंडे के तहत ही अनुच्छेद 44 में यह लिखा था कि देश के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना सरकार का दायित्व है? कांग्रेस को इस प्रश्न पर विचार करने के साथ ही इस पर शर्मिंदा होना चाहिए कि स्वतंत्रता के बाद सबसे लंबे समय तक शासन करने के बाद भी वह समान नागरिक संहिता के मामले में संविधान निमार्ताओं की इच्छा का पालन नहीं कर सकी।

कैसे करें ग्राहक अपने हक की मांग

प्रखर कुशीनगर। भोपाल में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत प्रांतीय कार्यशाला का आयोजन नवनिर्वाचित प्रांतीय कार्यकारिणी को कार्य पद्धति से अवगत कराने के लिए किया गया। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत भारत में ग्राहकों को उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों कानूनी ज्ञान एवं सामग्री में होने वाले लाभों को लेकर जागरूक करती है। यहां संगठन ग्राहकों को सामग्री बाजार से खरीदते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे उन्हें संपूर्ण लाभ मिल सके एवं खरीदी हुई सामग्री से हमारी सरकार को भी कोई नुकसान ना हो इन बातों से ग्राहक पंचायत उपभोक्ता को अवगत कराने का कार्य कर रही है। साथ ही यदि किसी उपभोक्ता के साथ कोई भी तरीके का धोखाधड़ी फरेब विक्रेता द्वारा किया गया है तो उस फरेब की कानूनी कार्रवाई वहां उपभोक्ता किस तरह से कर सकता है एवं अपने हक की लड़ाई किस तरह से एक उपभोक्ता लड़ सकता है उसके बारे में भी यहां संगठन उपभोक्ता को अवगत कराता है एवं उनका सहयोग करता है। भोपाल में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत कार्यालय में प्रांत कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूआत ग्राहक गीत एवं मंत्र के साथ की गई। मुख्य वक्ता लोकेंद्र मिश्रा ने अपने उद्बोधन मैं बताया कि पहला मध्य भारत प्रांत का कार्यशाला भोपाल में आयोजित हुआ है इस संगठन की स्थापना 1974 के दशक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने की थी। संगठन का उद्देश ग्राहकों को जागरूक करने शोषण से बचाना है अंतिम आभार आशा सिंह ने देते हुए कहा ग्राहक पंचायत ग्राहकों को जागरूक कर उनके हित के लिए कार्य करती है कार्यक्रम में मुख्यरूप से आशा सिंह केंद्रीय महिला जागरण प्रमुख, नीलम जगदीश गुप्ता जिला सह संयोजिका, लोकेंद्र मिश्रा प्रांत सचिव, मोनिका जैन एडवोकेट मध्य भारत प्रांत अध्यक्ष भारत तिब्बत सहयोग मंच, सरिता शर्मा जिला अध्यक्ष भोपाल, प्रतिमा हरित सह सचिव, मनीषा चंद्रवंशी, अंजुला सोनी, सुधा बैस जिला सह सचिव। उपस्थित अतिथियों के सानिध्य में स्वरोजगार से कार्य कर रही महिलाओं का सम्मान किया गया जिसमें वैशाली बारी, संजना श्रीमाली, निशा सिंह ,नीतू सेंगर, मनीषा चंद्रवंशी का सम्मान किया गया। एक संगठन तभी सशक्त बनता है जब उसका कार्यकर्ता पूर्ण निष्ठा से कार्य करता है।

शासन पर भारी एक सिपाही, एसपी के आदेशों की खुलेआम उड़ाई जा रही हैं धज्जियां!

संबंधता खत्म के बाद भी केराकत कोतवाली में अंगद की तरह पांव जमाये बैठा है सिपाही

प्रख्त केराकत जौनपुर। जौनपुर जनपद के पुलिस महकमे में एक ऐसा सिपाही है जो कहने को तो सिपाही है लेकिन अपने को कप्तान और किसी इंस्पेक्टर से कम का रुतबा नहीं रखता है। बताया जाता है कि अधिकारी की बात वह नहीं अधिकारी उसकी बात मानते हैं। जिसका कारण बताया जाता है कि सत्ता पक्ष के एक स्वजाति सफेदपोश का रिश्तेदार होना बताया जाता है, बताते चलें कि अपने को एस०ओ०जी० सिपाही बताने वाले चर्चित सिपाही की कार्यशैली को लेकर हमेशा दबी जुबान विभागीय और आम जन में तीखी प्रक्रियाओं का विषय बना हुआ है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार जहां इलाहाबाद उच्च न्यायालय का स्पष्ट आदेश है कि कोई भी अधिकारी व कर्मचारी किसी भी जनपद में 10 साल से अधिक समय तक तैनात नहीं रह सकता है, उक्त चर्चित सिपाही अखिलेश चौधरी जिसका विभागीय बैच नंबर 0623 815 34 है।उपरोक्त का स्थानांतरण बीते लगभग 10 माह पूर्व तमाम शिकायतों के बावजूद केराकत कोतवाली से जिले के बक्सा थाना हुआ था। तैनाती आदेश की अवहेलना करने और तैनाती स्थल पर ना ज्वाइन करने के कारण तत्कालीन पुलिस अधीक्षक द्वारा लाइन हाजिर भी कर दिया गया। बताया जाता है कि कुछ राजनैतिक सफेदपोश संरक्षण के कारण उक्त कांस्टेबल ने अपना स्थानांतरण थाना चंदवक कराने के साथ केराकत कोतवाली से सम्बद्ध करा कर ही अपनी पुर्वरतः गतिविधियों को पुनः अंजाम देने का खेल शुरू कर दिया है। चंदवक थाने में तैनातगी के साथ-साथ अपनी नियुक्ति एस०ओ०जी० में करा लिया। केराकत संबद्धता के साथ भारी शिकायतों के चलते पुलिस लाइन जौनपुर कर दिया गया वहां से पुनः एस०ओ०जी० में चला गया। सूत्र कहते है कि राजनैतिक सफेदपोश के चलते जौनपुर कोतवाली में तैनातगी के साथ एनकेन प्रकरेण मालदार केराकत कोतवाली का मोह सताता रहा। अपने राजनीतिक पहुंच और उच्चाधिकारियों की खुशामदगी में माहिर कांस्टेबल ने तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक का थाना लाइन बाजार से केराकत कोतवाली स्थानांतरण होने के साथ ही अपना स्थानांतरण पूनः केराकत कोतवाली करा लिया। प्रश्न उठता है कि उक्त कांस्टेबल घूम फिर कर केराकत कोतवाली में क्यों बने रहना चाहता है तो बताया जाता है कि केराकत कोतवाली अंतर्गत नरहन मोहल्ले में इनकी सगी बहन की ससुराल है ।दूसरा प्रश्न यह उठता है कि केराकत कोतवाली में क्यों तैनातगी कराकर अंगद की भांति पैर जमाए हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि अवैध धंधे करने वाले तत्वों को जहां पर इनका संरक्षण मिलता रहा है उसीके एवज में प्रतिमाह लाखों रुपए की मोटी कमाई होती रही है। केराकत कोतवाली के मोह से दूर होने नहीं दे रहा है। उक्त कर्मी लगातार विभागीय छवि को धूमिल कर रहा है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि इन्हें हटाया नहीं गया तो विभाग की छवि दिनों दिन धूमिल होती चली जाएगी। एक कांस्टेबल प्रदेश की योगी सरकार की गाइडलाइन की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए शासन सत्ता को ही चुनौती दे रहा है। मामले के बाबत प्रखर पूर्वांचल के प्रतिनिधि में जब क्षेत्राधिकारी केराकत से बात की तो उन्होंने बताया कि सिपाही को लेकर इस प्रकार की बातें सामने आई हैं। लेकिन अभी तक पूरी जानकारी मेरे पास उपलब्ध नहीं हुई है, मैं पूरी जानकारी उपलब्ध कराकर इसे दिखवाता हूं।

ममता पर लगे चुनावी हिंसा और भ्रष्टाचार के आरोप विपक्ष के लिए नई मुसीबत हैं

जोर-शोर से विपक्षी एकता की कवायद में जुटी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता को सुप्रीम कोर्ट ने तगड़ा झटका दिया है। पंचायत चुनाव से पहले हो रही हिंसा को लेकर केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले में दखल देने से मना कर दिया है। इस मुद्दे पर ममता सरकार की याचिका खारिज कर दी। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार पर लोकतंत्र को खतरे में डालने की दुहाई देने वाले विपक्षी दलों के लिए चुनावी हिंसा पर ममता के खिलाफ दिए इस फैसले को पचाना आसान नहीं होगा। ममता बनर्जी को मिली इस शिकस्त को विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों को तगड़ा झटका लगना निश्चित है। भाजपा इस मामले को विपक्षी दलों के खिलाफ भुनाए बगैर नहीं रहेगी। भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर पहले ही विपक्षी दलों पर हमलावर रही है। अब चुनाव जीतने के लिए हिंसा का सहारा लेने के आरोप का मौका ममता बनर्जी ने भाजपा को दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जो तल्ख टिप्पणी की है वह भी विपक्षी दलों के लिए परेशानी का सबब बनेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि चुनाव के बीच जो हिंसा हो रही है वो सही नहीं है। निष्पक्ष रूप से चुनाव कराना ही लोकतंत्र की पहचान है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल का चुनाव आयोग और ममता सरकार दोनों ने ही हाई कोर्ट के फैसले पर ऐतराज जताया था। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों से ये सवाल भी किया है कि जब आप अपने पड़ोसी राज्यों से फोर्स मांग रहे हैं तो फिर आपको केंद्रीय सुरक्षा बलों से क्या परेशानी है। ममता बनजी के वर्ष 2011 से सत्ता में आने के बाद पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा का तांडव जारी है। तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान हिंसा की पीड़ा झेल चुकी ममता बनर्जी की पार्टी भी चुनावी हिंसा को लेकर लगातार कटघरे में है। विगत विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में कई लोग मारे गए थे। ऐसी चुनावी हिंसा के लिए कभी बिहार और उत्तर प्रदेश बदनाम थे। टीएन शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के बाद इन दोनों राज्यों में चुनावी हिंसा पर काफी हद तक लगाम लगी थी। दूसरे शब्दों में कहें तो शेषन ने अपने मजबूत इरादों से देश में चुनावी हिंसा को लगभग इतिहास का विषय बना दिया। इसके बावजूद पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा का दौर खत्म नहीं हो सका।

पश्चिम बंगाल में चाहे पंचायत चुनाव हों या फिर लोकसभा या विधानसभा चुनाव, यहां हिंसा अपरिहार्य बन चुकी है। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो (एनसीआरबी) ने 2018 की अपनी रिपोर्ट में कहा था कि देश में होने वाली 54 राजनीतिक हत्याओं के मामलों में से 12 बंगाल से जुड़े थे। उसी साल केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को जो एडवाइज ?ी भेजी थी, उसमें कहा गया था कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में 96 हत्याएं हुई हैं और लगातार होने वाली हिंसा गंभीर चिंता का विषय है। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थीं। वर्ष 1998 में ममता बनर्जी की ओर से टीएमसी के गठन के बाद वर्चस्व की लड़ाई ने हिंसा का नया दौर शुरू किया। उसी साल हुए पंचायत चुनावों के दौरान कई इलाकों में भारी हिंसा हुई।

ममता बनर्जी सरकार सिर्फ चुनावी हिंसा ही नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और राज्य में हुए गंभीर अपराधों के आरोपों से भी घिरी रही है। देश में पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य है जहां एनआईए सर्वाधिक मामलों की जांच कर रही है। इनमें सांसद अर्जुन सिंह के घर बम विस्फोट कांड, मोमिनपुर हिंसा के दो मामले, बीरभूम में 81 हजार जिलेटिन की छड़ें बरामद होने का मामला, रामनवमी में हिंसा के 6 मामले, लश्कर आतंकवादी तान्या परवीन का मामला (लंबित मुकदमा), जेएमबी के कई मामले, खजूर ब्लास्ट केस, भूपतिनगर विस्फोट मामला, नैहाटी विस्फोट कांड, मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में स्कूल के पास बम धमाका, मालदा के टोटो में धमाका और छत्रधर महतो मामले का कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। ईडी के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग भर्ती घोटाले के संबंध में एक्शन से टीएमसी कार्यकताओं के एक कथित नेटवर्क का पदार्फाश हुआ। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग को स्कूलों में ग्रुप-सी के पदों पर कार्यरत 785 लोगों की भर्ती को रद्द करने के निर्देश दिए थे। बंगाल में शिक्षक भर्ती, कोयला व मवेशी तस्करी कांड के बाद लाटरी का घोटाला भी सामने आ चुका है। इसके तार दूसरे घोटालों से जुड़े बताए जा रहे हैं। दरअसल यह घोटाला करने का नया तरीका है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय में तृणमूल के कई नेताओं व उनके रिश्तेदारों को भारी-भरकम रकम वाली लाटरी लगी है। मवेशी तस्करी कांड में गिरफ्तार होकर आसनसोल की जेल में बंद तृणमूल के बाहुबली नेता व उनकी बेटी सुकन्या को कुल पांच लाटरी लग चुकी हैं। अनुब्रत को गिरफ्तारी से कुछ समय पहले ही एक करोड़ की लाटरी लगी थी। अनुब्रत ने तीन साल पहले भी लाटरी में 10 लाख रुपये जीते थे। सीबीआई का दावा है कि मवेशी तस्करी की काली कमाई को लाटरी के जरिए सफेद किया जाता है। सवाल यही है कि भाजपा पर भ्रष्टाचार और सरकारी तंत्र के दुरुपयोग करने का आरोप लगाने वाला विपक्ष ममता बनर्जी पर लगे चुनावी हिंसा और भ्रष्टाचार के नए-पुराने आरोपों को कैसे पचा पाएगा। विपक्ष जब तक अपना दामन ऐसे मामलों में साफ नहीं रखेगा तब तक न सिर्फ चुनावी एकता बल्कि आम लोगों को विश्वास भी जीतने में सफल नहीं हो पाएगा।

डीएम संग एसपी ने की बकरीद व कांवड़ यात्रा को लेकर पीस कमेटी की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर । बकरीद व श्रावण माह में कावड़ यात्रा को शान्तिपूर्वक, सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा पुलिस लाईन सभागार में की गई।सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिते हुए जनपद वासियों से अपील किया कि बकरीद, श्रावण यात्रा के साथ अन्य सभी पर्व व त्यौहार को उत्साह, एकता, आपसी भाईचारे एवं जनपद की गंगा जमुनी तहजीब व शान्ति के साथ मनायें। बकरीद व श्रावण माह में कावड़ यात्रा के समुचित तैयारियों के क्रम में जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों एवं अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि कावड़ यात्रा से सम्बन्धित सड़कों पर नियमानुसार आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि पूरे कावड़ यात्रा के दौरान किसी भी कावरियें के चोटिल होने, घायल होने या तबीयत बिगड़ने के दृष्टिगत कावड़ मार्गो पर निश्चित स्थानों पर एम्बुलेंस की उपलब्धता हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्राईवेट अस्पतालों द्वारा भी चिकित्सा कैम्प लगाये जाएगें। जहाँ पर कावरियों के दवा के साथ-साथ रिफ्रेसमेंट होने का समुचित प्रबन्ध रहेगा। पानी, शरबत, भण्डारा इत्यादि अल्पाहार की व्यवस्था भी ग्राम प्रधानों, नगर पंचायत, पालिकाओं, स्वयं सेवी संगठनों, व्यापार मण्डल इत्यादि द्वारा किये जाएगें। जिला अभिहित अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कावड़ मार्गो पर स्थित सभी ढ़ाबों, रेस्टोरेंट, होटलों पर रेट सूची के साथ ताजे, शुद्ध व सही भोज्य पदार्थ व अन्य खाद्य सामग्रिया का विक्रय सुनिश्चित हो। खाद्य दुकानों पर साफ-सफाई व डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखा हो। जिलाधिकारी ने बताया कि श्रावण मास में कावरियों के सुविधा के लिए सिविल डिफेंस के वॉलेटियर्स, एनसीसी, एनएसएस, प्रादेशिक रक्षा दल, युवा मंगल दल के वॉलेटियर्स लगाये जाएगे। उन्होंने जनपद के सभी शिवालयों में साफ-सफाई, जल इत्यादि की व्यवस्था के क्रम में सम्बन्धित ग्राम प्रधानों व अधिशासी अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया। त्यौहारों पर जनपद में शान्ति बनाये रखने हेतु अपने गांव तथा मोहल्लों में आने वाले प्रत्येक बाहरी व्यक्ति के बारे में जानकारी रखें और संदिग्ध व्यक्ति मालूम होने पर तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को सूचना दें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी त्यौहारों पर प्रशासन एवं पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था पर पूरी नजर रहेगी और संवेदनशील स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात रहेगा तथा किसी तरह की अफवाह फैलाने एवं शान्ति भंग करने का प्रयास करने वाले लोगों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि बकरीद पर व्यापक सफाई व्यवस्था रहेगी और पेयजल एवं विद्युत सप्लाई नियमित कराई जायेगी।

06 शातिर चोर गिरफ्तार, 20 लाख की चोरी का सामान बरामद

प्रखर मिजार्पुर। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के पंचायत भवनों में हो रही चोरी की घटनाओं को पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्राह द्वारा गंभीरता पूर्वक लेते हुए घटनाओं के अनावरण तथा अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में जनपद में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व ऑपरेशन के नेतृत्व में पुलिस टीमें गठित की गयी हैं । उक्त निर्देश के क्रम में थाना अदलहाट व अहरौरा, स्वाट/सर्विलांस तथा एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । आज दिनांक:24.06.2023 को थाना अदलहाट पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति चोरी की सामान को पिकअप में लादकर बेचने जा रहे हैं । उक्त सूचना पर क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में गठित थाना अदलहाट व अहरौरा, स्वाट/सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना अदलहाट क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग करते हुए मौके से पिकअप वाहन एवं उसके पीछे-पीछे चल रही संदिग्ध मोटरसाइकिल के वाहन चालक तथा अन्य सवार को पुलिस हिरासत में लिया गया । पकड़े गये व्यक्तियों 1.कौशिक बिन्द, 2.विशाल बिन्द, 3.गोविन्द, 4.गंगाराम, 5.मुकेश कुमार गौड, 6.कमला बिन्द द्वारा अपना नाम पता बताते हुए वाहन पिकअप पर जनपद मीरजापुर, चन्दौली, भदोही व वाराणसी के विभिन्न पंचायत भवनों सहित अन्य स्थानों से चोरी किया हुआ सामान लदा होना बताया गया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस अधीक्षक ने लगाई ग्राम चौपाल, मिशन शक्ति के प्रति किया जागरूक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को थाना जंगीपुर के ग्राम पंचायत सचिवालय भवन शेखपुर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में पुलिस अधीक्षक द्वारा गांव की बालिकाओं तथा महिलाओं को मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा बच्चियों एवं महिलाओं को उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। बालिकाओं एवं महिलाओं को महिला संबंधित सभी हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे 1090, 1076, 1098, 181,112, 102 और 108 के बारे में विस्तार से बताया गया तथा उन्हें यह भी बताया गया कि इन नंबरों पर आपकी शिकायत सुनने के लिए महिला कर्मी को ही नियुक्त किया गया है। चौपाल में उपस्थित महिलाओं से उनकी विभिन्न समस्याओं को भी सुना गया तथा उसके निस्तारण के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर , थानाध्यक्ष जंगीपुर तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी गण मौजूद रहे।

विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के नाम पर मनमानी वसूली बंद होनी चाहिए- रोशन पाण्डेय

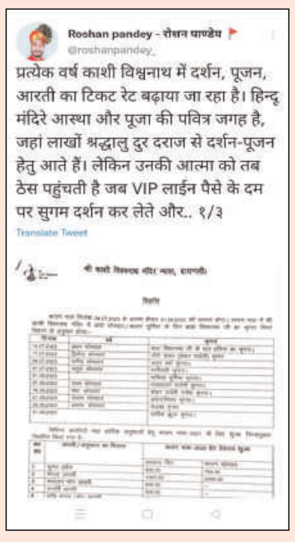

प्रखर वाराणसी। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सावन में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन, पूजन, आरती का टिकट रेट बढ़ाया गया है। जो टिकट पहले 350 और 500 की थी उसे 2000 कर दिया गया है। जिसे लेकर राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन के अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय काफी नाराजगी जाहिर किया है। रोशन पाण्डेय ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ से कहा है कि ..हिन्दू मंदिरे आस्था और पूजा की पवित्र जगह है, जहां लाखों श्रद्धालु दुर दराज से दर्शन-पूजन हेतु आते हैं। लेकिन उनकी आत्मा को तब काफी ठेस पहुंचती है जब VIP लाईन में लगे लोग पैसे के दम पर सुगम दर्शन कर लेते और अन्य श्रद्धालु भूखे प्यासे घंटों लंबी कतार में खड़े रह जाते हैं.... क्या यह भेदभावपूर्ण व्यवहार नहीं है? क्या हमारे मंदिरों को चिड़ियाघर की तरह दर्शन शुल्क लेना कहां तक उचित है? ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को टैग कर लिखा कि यह हमारे हिन्दू मंदिरों का विकास है या व्यापार? आपसे राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन की तरफ से समस्त हिंदुओं की मांग है कि तत्काल विश्वनाथ मंदिर मे दर्शन की VIP व्यवस्था खत्म करें जिससे आम श्रधालुओं के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार समाप्त हो। मंदिर कमाई का नहीं आस्था धर्म का केंद्र हो। दर्शन के नाम पर वसूली बंद होनी चाहिए

3 से 10 जुलाई के बीच दे सकते हैं आपत्ति

बलिया। अपर जिलाधिकारी डीपी सिंह ने बताया है कि उप्र स्टाम्प सम्पत्ति मूल्यांकन नियमावली 1997 यथा संशोधित 2015 के तहत जारी शासनादेश के अनुसार जनपदीय उप निबन्धक कार्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले नगरीय, अर्द्धनगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय भूमि व भवन के निर्माण की न्यूनतम दर के साथ ही साथ वाणिज्यिक भवन (एकल), वाणिज्यिक प्रतिष्ठान के लिए कारपेट एरिया प्रति वर्गमीटर का मूल्य, कृषि भूमि, वार्डवार मुहल्लों, मौजों व परगनावार न्यूनतम दरों का निर्धारण प्रति वर्ष किया जाना है। तत्क्रम में प्रस्तावित मूल्यांकन सूची तैयार की जानी है। जनपद के सभी उप निबन्धक कार्यालयों में पूर्व में निर्धारित दरों की सूची उपलब्ध है। अतः पूर्व में निर्धारित दरों में यदि कोई आपत्ति अथवा सुझाव है तथा बाजारू मूल्य में कितने प्रतिशत वृद्धि या कमी है, के सम्बन्ध में लिखित रूप से 03 जुलाई से 10 जुलाई 2023 तक किसी भी कार्य दिवस में सम्बन्धित उप निबन्धक कार्यालय में दे सकते हैं।

जनऊपुर गांव में विरान पड़े जंगल की जमीन पर ग्रामीणों ने की वन विभाग से पौधारोपण की मांग

रतसर (बलिया)। योगी सरकार ने प्रदेश में हरा भरा क्षेत्र बढ़ाने के लिए इस साल बारिश के मौसम में व्यापक पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाने का फैसला किया है। इसके तहत सरकार ने कीर्तिमान कायम करने के लिए एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इस मुहिम के पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लगातार गिरती वायु प्रदुषण की गुणवत्ता को दुरुस्त करना है। विकास खण्ड गड़वार क्षेत्र के जनऊपुर गांव में वन क्षेत्र के नाम पर दो एकड़ से अधिक भूमि खाली पड़ी है। दो दशक पूर्व वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर पौधारोपण कराया था। उस समय यह क्षेत्र पुरी तरह से जंगल से आच्छादित हो गया था। लेकिन मवेशियों एवं ग्रामीणों ने वन क्षेत्र से लकड़ी काटकर पूरी तरह से विरान कर दिया है। मौजूदा समय में आज उस क्षेत्र में मात्र एक दो पेड़ दिखाई दे रहे है। पूर्व प्रधान राजेश पाण्डेय ने अपने कार्यकाल से लेकर अब तक वन विभाग को कई बार खाली पडे वन क्षेत्र में पौधारोपण के लिए लिखित रूप से प्रार्थना पत्र दिया। लेकिन विभाग के उपर इसका कोई असर नही पड़ा। मौसम विभाग के अब तक के पूवार्नुमान के मुताबिक जुलाई में बारिश की पर्याप्त मात्रा को देखते हुए इस दौरान मिट्टी में नमी रहती है। जिससे रोपे गए पौधों के जीवित बचने की संभावना सबसे ज्यादा होती है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्रक देकर ग्राम प्रधान पर लगाया गंभीर आरोप

सिकन्दरपुर (बलिया)। पकड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ताराजपाली गांव के दर्जनों की संख्या में लोगों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुँच कर जिलाधिकारी को पत्र देकर आरोप लगाया है कि ताराजपाली गांव में पुलिस ने तांडव किया। और लोगो के घरों में घुस कर पुरुषो से लेकर महिलाओं तक की जमकर पिटाई की है। पूरा मामला सरकारी पट्टे की जमीन को लेकर है। जहां पट्टे की जमीन पर ग्राम प्रधान अंजनी सिंह और पुलिस से मिली भगत कर पट्टे की जमीन पर मिट्टी का कार्य करा रहे थे। जिसका विरोध करने पर पुलिस ने जमकर पिटाई किया है। वही इस मामले को लेकर ग्राम प्रधान अंजनी सिंह ने बताया कि ग्राम सभा की 51 डिसमिल जमीन है, जिसमें उन लोगो का 10 डिसमिल जमीन का पट्टा हुआ था। उस जमीन पर कानूगो, लेखपाल और नायब तहसीलदार प्रशासन के साथ गए थे और उन लोगो को 14 डिसमिल जमीन नापकर दे दिया और दो डिसमिल में रास्ता निकाल दिया। और सब कुछ ठीक था, लेकिन वहां के कुछ लोग आकर अपशब्दो का प्रयोग अधिकारियों और प्रशासन के साथ करने लगे, और ढेला पत्थर चलाने लगे। जिसके बाद माहौल बिगड़ गया।

खुद गोद लिए विद्यालय का सीडीओ ने किया औचक निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सदर ब्लाक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय अगस्ता को मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार व स्नेह स्वयं गोद लिया हुआ है। शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया तथा विद्यालय में कराए जा रहे विकास कार्यों का जायजा भी लिया। इस दौरान उन्होंने अधूरे कार्यों को पूरा करने हेतु खंड विकास अधिकारी को निर्देशित भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा विद्यालय में कराया जा रहा है कक्ष टाइल्सकरण की गुणवत्ता पर काफी आक्रोश व्यक्त किया। मौके पर उपस्थित खंड विकास अधिकारी को तत्काल आदेश दिया कि इसको ठीक कराते हुए अच्छी क्वालिटी का टाइल्स लगाया जाए, साथ ही विद्यालय परिसर में चारदीवारी का निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण कराएं। विद्यालय के समस्त शिक्षकों को निर्देशित किया कि स्मार्ट का क्लास को सक्रिय करते हुए दीक्षा ऐप के माध्यम से शिक्षण कार्य कराएं। विद्यालय को तय सीमा अवधि के अंतर्गत निपुण विद्यालय बनाने के लिए अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव, खंड शिक्षा अधिकारी अविनाश कुमार, खंड विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी तथा विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

एशिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स द्वारा एपेक्स के डॉ. स्वरूप को रोबोटिक टीकेआर के लिए मिला प्रमाणपत्र

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एपेक्स हॉस्पिटल के हड्डी रोग विभाग के जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन डॉ स्वरूप पटेल द्वारा दिनांक 22 मई 2023 को एक दिन में सर्वाधिक 11 रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी निष्पादित करने का रेकॉर्ड स्थापित करने हेतु एशिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स की निर्णायक सदस्य दिव्या तिवारी ने एपेक्स हॉस्पिटल ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में एपेक्स के जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन डॉ स्वरूप पटेल को सम्मानित करते हुए प्रमाणपत्र एवं पदक प्रदान किया उन्होने बताया कि भारत सरकार से पंजीकृत एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध एशिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स इंटरनेशनल प्रोटोकौल का पालन करते हुए साक्ष्यों के आधार पर नेशनल रेकॉर्ड बुक्स वियतनाम के संपादकों की सहमति बैठक के आधार पर नई संभावनाओं की दुनिया खोलने एवं अप्रयुक्त प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए कार्य करती है इस अवसर पर एपेक्स के चेयरमैन वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डॉ एसके सिंह ने पूरी टीम को गुणवततापूर्ण सर्जरी एवं प्रबंधन हेतु बधाई देते हुए आर्थ्रोस्कोपी सर्जन डॉ अमित झा, एनेस्थेसीयोलोजिस्ट डॉ अभिषेक सिंह, डीएनबी रेजीडेंट्स ओथोर्पेडिक्स एवं एनेस्थेसीयोलोजी, प्रबन्धक अभिषेक यादव,ओटी टीम एवं मैक्स मेरिल टीम के टेक्निकल सहयोग हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर एपेक्स की निदेशिका डॉ अंकिता पटेल सहित एपेक्स के चिकित्सक गण एवं मेडिकल केयर टीम उपस्थित रही ` कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन एपेक्स के हड्डी रोग विभाग द्वारा किया गया।

भारतीय किसान यूनियन द्वारा रेलवे की समस्याओं को लेकर की गई आकस्मिक बैठक

प्रखर मिजार्पुर। शिव मंदिर जादवपुर करहट पर भारतीय किसान यूनियन द्वारा रेलवे की समस्याओं को लेकर आकस्मिक बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता लक्ष्मण सिंह ने की और संचालन जिला महासचिव वीरेंद्र सिंह ने किया , 23 फरवरी 2023 को एडीएम फाइनेंस शिवप्रसाद शुक्ला व तत्कालीन उपजिलाधिकारी नीरज प्रसाद पटेल के नेतृत्व में बैठक हुई थी किसानों और रेलवे के अधिकारियों के बीच ,जिसमें जो तय किया गया था उस कार्य की समीक्षा की गई जो रेलवे विभाग द्वारा कार्य किया गया है ,परंतु कुछ कार्य अभी भी अधूरा है जैसे मंदिर के दक्षिणी परिसर की तरफ तालाब में सीढ़ी का निर्माण और पक्की सड़क का कार्य अभी बाकी है और मंदिर के पश्चिमी तरफ मिट्टी भराव का कार्य अभी नहीं हुआ है बारिश हो जाने से सभी कार्य बाधित हो जाएंगे। और रेलवे का कार्य होने की वजह से बरईपुर डुमरी संपर्क मार्ग लगभग 4 किलोमीटर, जादवपुर पुल से शिव मंदिर के सामने से राल्हुपुर माइनर तक लगभग 1 किलोमीटर ,जादवपुर पुल से कुंडाडीह गांवप्राथमिक विद्यालय तक लगभग 1 किलोमीटर का सड़क गाड़ियों के आवागमन से पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है जिस पर चलना दूभर है, गोपालापुर माइनर से लक्ष्मीनिया नाले तक रेलवे लाइन के किनारे किनारे नाली खोदकर पानी निकासी की व्यवस्था किया जाए और काफी किसानों का फॉर्म जमा हो जाने के बाद भी अभी तक 6 महीने बाद भी बोनस और मुआवजे की राशि अभी तक नहीं मिली है। 27 जून 2023 को उप जिलाधिकारी चुनार के द्वारा किसानों, रेलवे , व सिंचाई विभाग के अधिकारीयो की मीटिंग बुलाई गई है इसमें इन सभी समस्याओं के संदर्भ में समाधान के लिए वार्ता की जाएगी। आज के इस बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सिद्धनाथ सिंह, प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, वीरेंद्र सिंह जिला महासचिव, जिला कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह, राम श्रृंगार सिंह धर्मेंद्र सिंह जिला मीडिया प्रभारी, सावित्री देवी जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा महेंद्र सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष, लल्लन सिंह,ओमप्रकाश सिंह, रामललित सिंह, कलिंद्री सिंह, पप्पू, हिरावती देवी, फूला देवी, बब्बू देवी, राजमनी, जीउता देवी, धनपत्ति, भुनेश्वर,घनश्याम आदि लोग दे।

मत्स्य पालक मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का उठायें लाभ

बलिया। संजय कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण, बलिया ने बताया कि मत्स्य विभाग उ०प्र० लखनऊ द्वारा वर्ष 2023-24 में योजना मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा प्रारम्भ की गयी है। इस योजना के अंतर्गत दो परियोजनाए संचालित की गयी है जिनमे मनरेगा कनवर्जेन्स अथवा पट्टा धारक द्वारा स्वंय अथवा अन्य विभागो के माध्यम से सुधारे गये ग्राम सभा व अन्य पट्टे के तालाबो मे मत्स्य उत्पादन हेतु प्रथम वर्ष निवेश पर अनुदान। जिसमें यह आवश्यक है कि पट्टे की अवधि में न्यूनतम 4 वर्ष अवशेष हो । इसके अलावा मनरेगा कनवर्जेन्स अथवा पट्टा धारक द्वारा स्वंय अथवा अन्य विभागो के माध्यम से सुधारे गये ग्राम सभा व अन्य पट्टे के तालाबों में मत्स्य बीज बैंक की स्थापना पर अनुदान। इस परियोजना में भी उपरोक्तानुसार पट्टे की अवधि में न्यूनतम 4 वर्ष अवशेष होना आवश्यक है। उपरोक्त दोनो परियोजनाओ की कुल इकाई लागत 4.00 लाख प्रति हे0 है जिस पर 40 प्रतिशत अनुदान देय है।

नगर के शौचालय दिए जाएंगे ठेके पर, पानी लेने के लिए देना होगा शुल्क

असलम खान

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर । नगर पालिका परिषद अहरौरा से अगर आप टैंकर से पानी लेना चाहेंगे तो उसका शुल्क अदा करना पड़ेगा। इसके साथ ही नगर में स्थित आधा दर्जन से अधिक सामुदायिक शौचालय ठेके पर दिए जाएंगे और व्यक्ति निर्धारित शुल्क देकर ही उसका उपयोग कर पाएगा। नगर में स्थित सामुदायिक केंद्र को भी निर्धारित शुल्क देखकर बुक कराया जा सकेगा। नगर पालिका परिषद अहरौरा में टैंकर से पानी मंगाने के लिए लोग एक फोन करके पानी मगा लेते थे लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा और टैंकर से पानी मंगाने के लिए प्रति टैंकर पांच सौ रुपए शुल्क नगरपालिका को अदा कर रसीद कटवाने के बाद ही पानी पहुंच पाएगा। इसी के साथ ही नगर में स्थित नगर पालिका कार्यालय के सामने, दुर्गा जी, पियरवा पोखरा के पास ,चकिया मोड सहित अन्य स्थानों पर स्थित कुल 7 सामुदायिक शौचालयों को अब ठेके पर दिया जाएगा और व्यक्ति निर्धारित शुल्क देकर ही शौचालय का उपयोग कर पाएगा ऐसा इसलिए किया गया की शौचालय की साफ-सफाई और देखरेख अच्छे ढंग से हो सके और नगरपालिका के राजस्व में भी वृद्धि हो। अधिशासी अधिकारी राम दुलार यादव ने बताया कि बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति से उक्त प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया और यह भी निर्णय हुआ कि नगर में स्थित सामुदायिक केंद्र को भी अब निर्धारित शुल्क लेकर के ही बुक किया जाएगा। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि दुर्गा जी मंदिर पर स्थित सामुदायिक केंद्र को दो हजार रुपए एवं नगर के अन्य स्थानों पर स्थित सामुदायिक केंद्र को एक हजार रुपए में बुक कराया जा सकता है।

जिनके पास नहीं है शौचालय वह करेंगे निशुल्क उपयोग– अधिशासी अधिकारी रामदुलार यादव ने बताया कि जिनके पास शौचालय नहीं है और उनके यहां शौचालय बनाने के लिए स्थान भी नहीं है उनका वार्ड सभासद के अनुमोदन पर एक कार्ड बनाया जाएगा ताकि वह अपने नजदीकी शौचालय का निशुल्क उपयोग कर सकें ।

नशा मुक्ति के लिए पंचकर्म थेरेपी कारगर: प्रो. ओपी सिंह

नशा मुक्ति के जन जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत हुआ वेबिनार

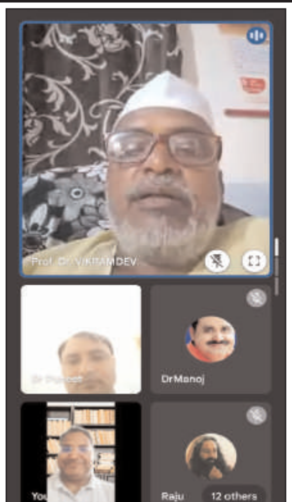

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नव स्थापित नशा मुक्त एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा 'मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी' के तहत नशा मुक्ति हेतु मनाए जाने वाले जन जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को एक ई-कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका विषय 'मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के दुष्परिणाम से बचने एवं रोकथाम में परंपरागत चिकित्सा पद्धति (होम्योपैथी एवं आयुर्वेद) की भूमिका' थी। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि व वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के आयुर्वेद विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ओ.पी. सिंह ने कहा कि नशे की मुक्ति संकल्प से होती है। अलग-अलग तरह के नशीले पदार्थों के सेवन और उसके दुष्परिणाम के बारे में विस्तार से चर्चा की । उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यसन से निजाद पाने में पंचकर्म थेरपी सबसे कारगर है, जिसमे विरेचन प्रक्रिया, सात्विक आहार, गौ आधारिक खाद सामग्रियों का प्रयोग शामिल है इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के आयुर्वेदिक औषधियों और आयुर्वेदिक इलाज एवं रोकथाम के बारे में जानकारी प्रदान की । कार्यशाला के द्वितीय वक्ता के रूप में नशा से ग्रसित लोगों के उपचार में विभिन्न तरह के होम्योपैथी चिकित्सा विधियों का वर्णन किया तथा अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यशाला के योग सत्र में आर्ट ऑफ लिविंग के योग प्रशिक्षक राजेंद्र प्रताप सिंह ने कुछ नई योग क्रियाओं का अभ्यास कराया, जिसमें शीतली प्रणायाम, जो हमारे दिमाग और शरीर को ठंडा रखता, तनाव, चिंता, एवं अवसाद को दूर भगाने में रामवाण की तरह काम करता है।द्वितीय योग आसन के रूप में भस्त्रिका प्राणायाम, जो हमारे तीन दोष (वात, पित्त और कफ) से राहत दिलाने में बहुत फायदेमंद है। इसके अतिरिक्त यह हमारे ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने, हृदय के लिए लाभदायक, वजन घटाने में सहायक, तनाव को कम करने, श्वसन संबंधी समस्याओं से दिलाए राहत आदि में लाभकारी है। तीसरे योग आसन के रूप में उज्जायी सांस (लंबी गहरी सांसे) का अभ्यास कराया, को तनाव को कम करना, मन को वर्तमान में लाने, शरीर में ऊर्जा का संचार करना, क्रोध को नियंत्रित करना, प्राण ऊर्जा को बढ़ाने में कारगर है । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. विक्रम देव शर्मा ने कहा कि नशा एक मानसिक रोग है, जिससे बचने के लिए हमें योग, होम्योपैथ दवा और आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करना चाहिए। नशे से लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति उत्पन्न होती है और इससे बचाव का तरीका अपने परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों पर विश्वास करना है । कार्यशाला का संचालन व्यवहारिक मनोविज्ञान की छात्रा हिदायत फातिमा ने की और धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया इसमें कार्यशाला में प्रतिभागियों के रूप में डॉ मनोज मिश्र, डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ अवधेश श्रीवास्तव, डॉ धीरेंद्र चौधरी, विवेक, आराधना, रिया, प्रिया, दिव्या , सोनाली, श्रुति, राजेंद्र, सत्यप्रकाश चौहान आदि सहित मौजूद रहे।

स्वाट टीम ने किया 10 हजार का इनामिया वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध व अपराधियों एवं पुरस्कार घोषित व वाछित अपराधियो के विरूध्द चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर गाजीपुर के कुशल प्रर्यवेक्षण मे शनिवार को उप निरीक्षक अभिषेक सिंह मय हमराह कांस्टेबल सत्यप्रकाश व स्वाट टीम के हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र यादव व कांस्टेबल चन्दनमणि त्रिपाठी द्वारा विभिन्न अपराधो में पुरस्कार घोषित अभियुक्त राहुल यादव पुत्र श्रीकान्त यादव निवासी सुआपुर थाना करण्डा गाजीपुर को लार्ड कार्नलविस के मुकबरा के पास से समय करीब 9.30 बजे गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त राहुल यादव उपरोक्त को गिरफ्तार कर अन्य विधिक कार्यवाही थाना कोतवाली द्वारा जारी है ।

2 परसेंट जनसंख्या को
हो सकता है विटिलिगो

सफेद दाग एक स्किन की बीमारी होती है जिसमें स्किन में रंग नहीं बन पाता है और वह सफेद होने लगती है। विश्व में 1 से 2 परसेंट जनसंख्या को सफेद दाग की बीमारी हो सकती है। विटिलिगो एक ऑटोइम्यून बीमारी है जिसका अभी तक कोई एग्जैक्ट कारण नहीं मिल पाया है कि किस वजह से यह बीमारी होती है। ऑटोइम्यून, जिसमें कहा जाता है कि हमारे शरीर में जो रंग बनाने वाले सेल्स है उनके खिलाफ एंटीबॉडीज बन जाती है जो कि रंग बनाने वाले सेल्स को खत्म कर देती हैं जिससे की स्किन में कलर नहीं बन पाता है और वह सफेद होने लगती हैं।इस बीमारी का शरीर के अंदर किसी भी हिस्से से कोई लेना-देना नहीं होता है न ही शरीर के अंदर की किसी भी कमी की वजह से होती है। यह केवल स्किन में जब रंग नहीं बन पाता है उस वजह से होती है। सहारा हॉस्पिटल के त्वचा व चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. विपुल गुप्ता ने बताया कि सफेद दाग ऐसी कोई छुआछूत की बीमारी नहीं होती हैं परन्तु लोगों द्वारा समाज में इसको अलग नजरिए से देखा जाता है, परन्तु यह एक भ्रांति है। सफेद दाग की बीमारी का इलाज जरूर होता है और काफी हद तक मरीजों को आराम भी मिल जाता है लेकिन मरीज को सही समय पर त्वचा व चर्म रोग के विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

डॉ. विपुल गुप्ता
वरिष्ठ कन्सलटेंट चर्म व त्वचा रोग विशेषज्ञ, सहारा हॉस्पिटल

विश्व विटिलिगो दिवस कल

किसी भी हिस्से में हो सकता है विटिलिगो

इस बीमारी के ठीक होने में काफी समय लगता है परन्तु कितना समय कितना महीने लगेगा इसका जवाब दे पाना मुश्किल रहता है। धीरे-धीरे इसमें फायदा होता है। समय के साथ यह देखा जाता है कि सफेद दाग में रंग बनने लगता है। सफेद दाग शरीर में किसी भी हिस्से में हो सकता है चेहरे में, हाथ, पैर, हथेली, तलवें में, पेट में,पीठ में, होंठ पर और शरीर के गुप्तांगों में भी हो सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों का ट्रीटमेंट अलग-अलग प्रकार से किया जाता है रहता है जैसे बॉडी का अलग, हाथ का, तलवे का और लिप्स का अलग । यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि मरीज को कितने सफेद दाग है और क्या कोई और बीमारी भी है जैसे बीपी, शुगर और थायराइड की भी समस्या है।

कुष्ठ रोग और विटिलिगो

अभी भी गांव सुदूर क्षेत्रों में सफेद दाग को कुष्ठ रोग माना जाता है जबकि यह दोनों पूरी तरह से अलग बीमारियां है और दोनों का अलग इलाज होता है। सफेद दाग की समस्या हेतु अगर आपको कोई वाइट स्पॉट दिखे तो एक स्किन स्पेशलिस्ट से जरूर मिले और उससे अपनी समस्या बताए। कई बार हर दाग की बीमारी सफेद दाग नहीं होता है मरीज कई बार डर की वजह से सफेद दाग समझकर इलाज करवाता रहता है परन्तु उसे इस तथ्य को समझना होगा कि सही में आपको क्या विटिलिगो है, तो ही उसके इलाज की जरूरत होती है। हर लाइट कलर का दाग सफेद दाग नही होता है यह चीज स्पष्ट होना चाहिए।

सहारा हॉस्पिटल में सफेद दाग की बीमारी का बहुत अच्छा इलाज उपलब्ध हैं। हमारे मरीजों को काफी सकारात्मक परिणाम मिलता है और दवाइयां जो भी चलती है इस बात का ध्यान दिया जाता है कि किसी भी मरीज को दवाई का कम से कम साइड इफेक्ट हो और उसको जल्दी से जल्दी सफेद दाग की बीमारी से आराम मिले। दवाई से अगर नहीं ठीक हो पाता है तो सहारा हॉस्पिटल में उसकी सर्जरी करने का भी ऑप्शन रखा जाता है है जिससे कि वह दाग पूरी तरह से ठीक हो जाता है।

सहारा हॉस्पिटल के वरिष्ठ सलाहकार अनिल विक्रम सिंह जी ने बताया कि हमारे माननीय अभिभावक 'सहाराश्री' ने विश्व स्तरीय सहारा हॉस्पिटल का निर्माण करवाया है जहां हर बीमारी के इलाज हेतु कुशल व अनुभवी टीम उपलब्ध है। सहारा हॉस्पिटल में 50 से भी अधिक विभाग हैं और उनमें से त्वचा व चर्म रोग विभाग एक है जहां स्किन स्पेशलिस्ट से इलाज करवाकर इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

इलाज

इलाज करना इस पर भी काफी निर्भर करता है कितना पुराना निशान है जहां पर सफेद दाग है वहां पर बालों का कलर कैसा है, क्या वहां बाल भी सफेद हो गए हैं? या वहां पर बाल है या नहीं है। इसका धैर्य पूर्वक इलाज करने से निश्चित रूप से फायदा होता है। यह बीमारी किसी को भी हो सकती है अगर किसी के परिवार में पहले से किसी को विटिलिगो की हिस्ट्री है तो उसकी अगली पीढ़ी में इस बीमारी के होने की थोड़ी संभावना ज्यादा हो जाती है लेकिन ऐसा नहीं है कि अगर इसका कोई पारिवारिक इतिहास नहीं है तो यह किसी को नहीं हो सकती है। यह बीमारी कभी भी किसी को भी हो सकती है।

आखिर क्यों हुआ
लापता पनडुब्बी टाइटन में विस्फोट?

एडीलेड (ऑस्ट्रेलिया) (द कन्वरसेशन)।

लापता पनडुब्बी 'टाइटन' के चार दिन चले तलाश अभियान का एक त्रासदीपूर्ण अंत हुआ। खबरों ने पुष्टि की है कि टाइटैनिक जहाज का मलबा देखने गई पनडुब्बी में 'विनाशकारी विस्फोट' हुआ, जिसके कारण इसमें सवार सभी पांचों यात्रियों की तत्काल मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि टाइटैनिक के डूबने के स्थल से लगभग 500 मीटर दूर समुद्र तल पर पनडुब्बी के पांच बड़े-बड़े

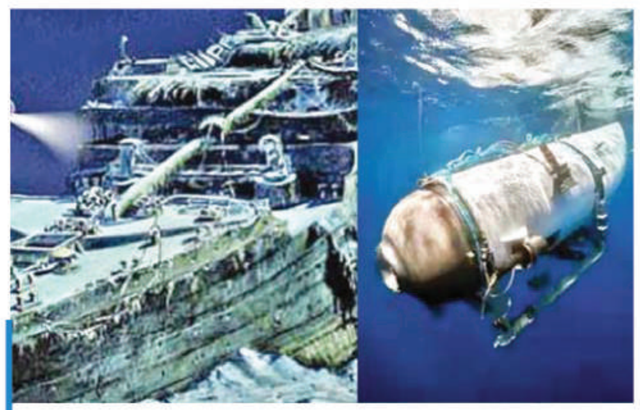

टुकड़े मिले हैं। इनका मिलना पहले दिए गए इन समाचारों से मेल खाता है कि टाइटन जब पानी में उतरा था, उसी दिन अमेरिकी नौसेना को 'एक विस्फोट जैसा' जोरदार धमाका सुनाई दिया था। नौसेना के समुद्र तल सेंसर ने उस क्षेत्र में विस्फोट का पता लगाया था, जहां पनडुब्बी का अपने मुख्य पोत के साथ संपर्क टूटा था। उस समय विस्फोट के बारे में बताया गया था कि यह 'निर्धारित नहीं' था।

- विस्फोट के कारण सवार सभी पांचों यात्रियों की तत्काल मौत हो गई
- टाइटैनिक के डूबने के स्थल से लगभग 500 मीटर दूर समुद्र तल पर पनडुब्बी के पांच बड़े-बड़े टुकड़े मिले

क्या है 'विनाशकारी विस्फोट'

हम ऐसा मान सकते हैं कि विस्फोट उसी दिन हुआ, जिस दिन पनडुब्बी पानी में उतरी थी, लेकिन संभवत: यह उस समय नहीं हुआ, जब उसका अपने मुख्य पोत से संपर्क टूटा था, लेकिन ऐसा क्यों हुआ? पानी में गहराई पर चलने वाली अधिकतर पनडुब्बियों में एक 'दाब पात्र' होता है, जो एकल धातु सामग्री से बना होता है। आमतौर पर अपेक्षाकृत कम गहराई (लगभग 300 मीटर से कम) के लिए स्टील और अधिक गहराई के लिए टाइटेनियम का इस्तेमाल किया जाता है। टाइटेनियम या मोटे स्टील वाला दाब पात्र आमतौर पर गोलाकार होता है और यह 3,800 मीटर गहराई तक दबाव झेल सकता है। टाइटैनिक का मलबा इसी गहराई पर पड़ा है।

बहरहाल, टाइटन पनडुब्बी इनसे अलग थी। इसका दाब पात्र टाइटेनियम और मिश्रित कार्बन फाइबर के मेल से बना था। यह इंजीनियरिंग के नजरिए से कुछ हद तक असामान्य है, क्योंकि पानी में गहराई तक जाने के संदर्भ में टाइटेनियम और कार्बन फाइबर काफी भिन्न गुणों वाली सामग्रियां हैं। टाइटेनियम लचीला है और वायुमंडलीय दबाव में वापसी के बाद उसके अनुसार ढल जाता है। यह दबाव डालने वाले बलों के अनुकूल सिकुड़ भी सकता है और इन बलों के कम होने पर फिर से फैल जाता है। दूसरी ओर, कार्बन-फाइबर अधिक कठोर होता है और इसमें ऐसा लचीलापन नहीं होता। हम इस बात का केवल अंदाजा ही लगा सकते हैं कि दो अलग-अलग प्रौद्योगिकियों के मेल से क्या हुआ होगा। लेकिन एक बात हम निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि इन सामग्रियों में अंतर के कारण कोई गड़बड़ हुई और पानी के नीचे दबाव के कारण विस्फोट हुआ होगा। सटीकता से डिजाइन किया गया एवं निर्मित और पुख्ता जांच परख के बाद तैयार दाब पात्र सभी दिशाओं से पड़ने वाले समग्र दबाव को झेल सकता है।

सैड सांग 'बेवफाई के आंसू' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह और अभिनेत्री स्मृति सिन्हा का सैड सांग बेवफाई के आंसू म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म बेवफा सनम का गाना बेवफाई के आंसू, पवन सिंह और स्मृति सिन्हा पर फिल्माया गया है। इस गाने को सैड मूड में पवन सिंह ने गाया है। इस गाने के गीतकार और संगीतकार रजनीश मिश्रा हैं, जो इस फिल्म के निर्देशक भी हैं। जिओ स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत एवं यशी फिल्म्स कृत बेवफा सनम के प्रोड्यूसर ज्योति देशपांडे और अभय सिन्हा हैं। इस फिल्म का म्यूजिक राइट वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी के पास है।

मैं आज भी सिंगिंग करते वक्त घबरा जाती हूं
जन्नत जुबैर

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने कहा कि उन्हें बचपन से ही एक्टिंग का शौक था, लेकिन सिंगिंग से उन्हें अब भी घबराहट होती है। जन्नत ने हाल ही में अपना नया गाना कायफा हलुका रिलीज किया है। बुधवार को गाने के लिए आयोजित कॉन्फ्रेंस में एक्ट्रेस ने गाने के अलावा और भी बहुत कुछ बताया। जब उनसे पूछा गया कि सिंगिंग या एक्टिंग में से उनके लिए क्या मुश्किल है, तो उन्होंने जवाब दिया, मेरा मानना है कि कोई भी काम आसान नहीं होता और अगर आप उसे दिल से करते हैं तो कोई भी काम मुश्किल भी नहीं होता।

मुझे एक्टिंग का बहुत शौक है क्योंकि मैं यह बचपन से करती आ रही हूं। मुझे एक्टिंग की आदत है। अगर मुझे सिंगिंग या एक्टिंग के बीच तुलना करनी हो तो जाहिर तौर पर एक्टिंग ही मेरी प्राथमिकता होगी। मैं आज भी गाना गाते समय घबरा जाती हूं। मैं पहले स्क्रैच रिकॉर्ड करती हूं और फिर फाइनल सॉन्ग रिकॉर्ड करने के लिए स्टूडियो जाती हूं। अपने गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कायफा हलुका का अरबी में अर्थ है आप कैसे हैं? ,यह हमारी ओर से बिल्कुल नया प्रयास है।

आजकल हम सब जो सुन रहे हैं, यह उससे अलग गाना है। हमने इसे लाइव इंस्ट्रूमेंट्स के साथ एक पॉप गाना बनाने की कोशिश की है। इसमें अरबी म्यूजिक भी है। गाना बहुत ही कर्णप्रिय है। अगर आप इसे एक या दो बार सुनेंगे तो पूरा दिन गुनगुनाते रहेंगे। कायफा हलुका को जन्नत जुबैर ने गाया है।

गदर 2 का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल की सुपरहिट फिल्म 'गदर 2' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' वर्ष 2001 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी देओल ,अमीष पटेल और अमरीश पुरी ने अहम भूमिका निभाई थी। 'गदर: एक प्रेम कथा' के सीक्वल गदर 2 का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। पोस्टर में सनी देओल का एक और नया लुक सामने आया है, जिसमें वह पगड़ी पहने और दाढ़ी बढ़ाए बिल्कुल अलग लुक में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में माइल स्टोन लिखा हुआ है। इस पोस्टर पर लिखा है, 50 दिनों में तारा सिंह फिर से मचाएगा गदर। गदर 2 , 11 अगस्त को रिलीज होगी।

प्रोजेक्ट के सेट से लीक हुआ अमिताभ बच्चन का लुक

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की आने वाली फिल्म प्रोजेक्ट के से उनका लुक रिलीज हो गया है। प्रोजेक्ट के में प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की मुख्य भूमिका है। प्रोजेक्ट के से अमिताभ बच्चन का एक इंटेंस लुक लीक हुआ है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस लुक में अमिताभ बच्चन के काफी लंबे और सफेद बाल नजर आ रहे हैं। साथ ही उनका चेहरा काफी गंभीर है। अमिताभ बच्चन का यह इंटेंस लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है। बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन को प्रोजेक्ट के लिए तीन दिन तक शूटिंग करनी है। उन्हें इस लुक में तैयार होने के लिए 3-4 घंटे लगते हैं।

'पड़ोसन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली भोजपुरी फिल्म 'पड़ोसन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। नेहा श्री एंटरटेनमेंट एवं आश्विनी शर्मा के बैनर तले बनी फिल्म 'पड़ोसन' का ट्रेलर इंटर10 रंगीला के यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत प्रदीप पांडेय चिंटू की एक्शन और शानदार डायलॉग से होती हैं। वही अभिनेत्री काजल राघवानी और नेहा श्री अपने अपने किरदार में खूब फिट बैठ रही हैं। इस फिल्म की निर्माता नेहश्री है, जबकी निर्देशक रितेश ठाकुर ,लेखक सभा वर्मा,संगीत छोटे बाबा एवं रितेश ठाकुर,गीतकार रितेश प्रेमी,सोनू श्रीवास्तव,सभा वर्मा, डी ओ पी कुणाल जीना,एक्शन हीरा यादव हैं।

मधुमेह के मरीजों की संख्या में वृद्धि
स्वास्थ्य प्रणाली के लिए चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली (भाषा) । वर्तमान में दुनियाभर में 50 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित हैं और अगले 30 साल में हर देश में मधुमेह पीड़ितों की संख्या में इजाफा होने का अंदेशा है जो दोगुनी होकर 1.3 अरब तक पहुंच सकती है। 'द लैंसेट' में प्रकाशित एक नए विश्लेषण में यह दावा किया गया है। मुख्य लेखक एवं यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के स्कूल ऑफ मेडिसिन में इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैलुएशन (आईएचएमई) में मुख्य शोध विज्ञानी लियान ओंग ने कहा, जिस गति से मधुमेह के मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है वह न केवल चिंताजनक है बल्कि दुनिया में प्रत्येक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए चुनौतीपूर्ण भी है।

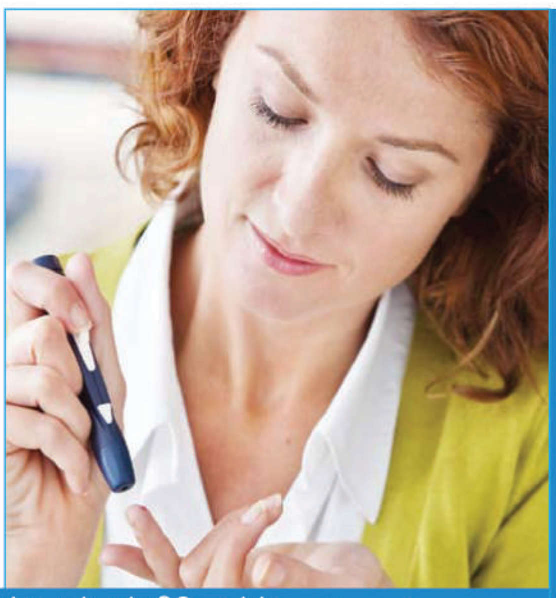

विश्व भर में 2050 तक 1.3 अरब लोगों के मधुमेह से पीड़ित होने का अनुमान

शोधकर्ता ने कहा कि लगभग सभी वैश्विक मामलों में 96 प्रतिशत मामले 'टाइप 2' मधुमेह (टी2डी) के हैं

शोधकर्ता ने कहा कि लगभग सभी वैश्विक मामलों में 96 प्रतिशत मामले 'टाइप 2' मधुमेह (टी2डी) के हैं। ओंग ने 'ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) 2021 अध्ययन का इस्तेमाल किया और 1990 एवं 2021 के बीच 204 देशों में उम्र एवं लिंग के आधार पर मधुमेह के प्रसार, रोगियों की संख्या और इससे मृत्यु का अध्ययन किया तथा 2050 तक मधुमेह की स्थिति का आकलन किया। विश्लेषण के अनुसार, हालिया और सबसे अधिक व्यापक गणनाएं दिखाती हैं कि रोग की मौजूदा वैश्विक प्रसार दर 6.1 प्रतिशत है जो इसे मृत्यु एवं निशक्तता के 10 प्रमुख कारणों में से एक बनाती है। अध्ययन से यह पता चला है कि क्षेत्रीय स्तर पर यह दर उत्तर अमेरिका और पश्चिम एशिया में सबसे अधिक 9.3 प्रतिशत है जो 2050 तक बढ़कर 16.8 होने की संभावना है और लातिन अमेरिका एवं कैरेबियाई देशों में यह दर 11.3 प्रतिशत है। अनुसंधानकर्ताओं ने यह भी पाया कि मधुमेह के लक्षण विशेष रूप से 65 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों में पाए गए हैं और उक्त जनसांख्यिकीय के लिए 20 प्रतिशत से अधिक की वैश्विक प्रसार दर दर्ज की गयी।

संक्षिप्त खबरें

एलआईसी की नई योजना

मुंबई। एलआईसी ने शुक्रवार को निश्चित अवधि वाली एक नई बीमा योजना 'धन वृद्धि' की पेशकश की। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि इस बीमा योजना की बिक्री 23 जून से शुरू हो गई है और यह 30 सितम्बर को बंद हो जाएगी। एलआईसी के मुताबिक, धन वृद्धि एक गैर-लिंक्ड, गैर-भागीदारी, व्यक्तिगत, बचत वाली और एकल प्रीमियम वाली जीवन योजना है जो सुरक्षा और बचत का संयोजन प्रदान करती है। पॉलिसी जारी रहते समय अगर धारक की मृत्यु हो जाती है तो उसके परिजनों को वित्तीय मदद मिलेगी। परिपक्वता अवधि पूरी होने पर एक गारंटीशुदा राशि देने का प्रावधान भी है। यह योजना 10, 15 एवं 18 वर्षों की अवधि के लिए उपलब्ध है। इसमें न्यूनतम बुनियादी तयशुदा राशि 1.25 लाख रुपए की पेशकश की गई है।

कान्कार्ड की निवेश योजना

नई दिल्ली। रियल्टी फर्म कान्कार्ड वाणिज्यिक परियोजनाएं विकसित करने के लिए 225 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 225 करोड़ रुपये के रणनीतिक निवेश से वह अपने वाणज्यिक खंड का विस्तार करेगी। कॉन्कॉर्ड अगले दो साल में लगभग 20 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में वाणिज्यिक स्थल बनाएगी। कंपनी ने इसके तहत चालू वित्त वर्ष के लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित किए है। कान्कार्ड की निदेशक ग्रीष्मा रेड्डी ने कहा, 'हम शहर के छोटे बाजारों में अव्वल दर्जे के कार्यालय स्थल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वर्तमान में इस वर्ष के लिए हमारी तीन परियोजनाओं पर काम जारी है।' कान्कार्ड ने पिछले ढाई दशकों में 2.5 करोड़ वर्गफुट क्षेत्र में आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियां विकसित की हैं।

IILM में डिजिटल प्रौद्योगिकी

नोएडा। आईआईएलएम यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा को हिताची इंडिया डिजिटल प्राद्यौगिकी से समृद्ध कर रहा है। हिताची इंडिया के प्रबंध निदेशक भरत कौशल ने शिक्षा जगत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आधुनिक तकनीक के अधिक से अधिक प्रयोग पर बल दिया। लगभग 30 उत्पादन केंद्र और अनुसंधान विकास केंद्र में मार्गदर्शन कर रही संस्था डिजिटल प्रौद्योगिकी और इनोवेशन को लेकर बेहतर परिणाम के साथ समायोजन कर रही है। इसके अच्छे परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। संस्था डिजिटल प्राद्यौगिकी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए इसके इस्तेमाल के प्रति लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

अडाणी कॉनेक्स को कर्ज

नई दिल्ली। अडाणी एंटरप्राइजेज और एज कॉनेक्स (ईसीएक्स) के संयुक्त उद्यम अडाणी कॉनेक्स ने अपनी निर्माणाधीन डेटा सेंटर परिसंपत्ति के लिए 21.3 करोड़ डालर का कर्ज जुटा लिया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'निर्माणाधीन डेटा सेंटर पोर्टफोलियो के लिए 21.3 करोड़ डालर कर्ज का इंतजाम कर लिया गया है। इसका वित्तपोषण अंतरराष्ट्रीय कर्जदाताओं के साथ प्रारूप समझौते के जरिए किया गया है।' इस कर्ज से कुल 67 मेगावाट क्षमता वाले दो डेटा सेंटर का वित्तपोषण किया जाएगा। इनमें एक डेटा सेंटर 'चेन्नई1' की क्षमता 15 मेगावाट है जबकि दूसरे डेटा सेंटर 'नोएडा कैंपस' की क्षमता 50 मेगावाट होगी।(एजेंसियां)

भारत में बनी पहली सेमीकंडक्टर चिप दिसम्बर 2024 तक

■ एक साल में देश में लगेंगे चार- पांच सेमीकंडक्टर संयंत्र ■ अमेरिकी कंपनी माइक्रोन के संयंत्र का निर्माण इसी वर्ष शुरू होगा

■ केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी यह जानकारी

■ माइक्रोन का संयंत्र गुजरात में लगाने की योजना

■ माइक्रोन संयंत्र से मिलेंगे 15 हजार परोक्ष रोजगार

■ चिप संयंत्रों में राज्य सरकारें भी करेंगी निवेश

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि भारत में बनी पहली सेमीकंडक्टर चिप अगले साल दिसम्बर तक आ जाएगी।

उन्होंने कहा कि देश में चार-पांच सेमीकंडक्टर संयंत्र एक साल के अंदर स्थापित होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने के बाद वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा, 'पहली 'मेड इन इंडिया' (भारत में बनी) चिप दिसम्बर, 2024 तक आ जाएगी।' उन्होंने कहा कि प्रस्तावित माइक्रोन सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए गुजरात में भूमि आवंटन, संयंत्र डिजायन का कार्य और कर अनुपालन संबंधी समझौता किया जा चुका है।

वैष्णव ने कहा, 'माइक्रोन की पहली मेड इन इंडिया चिप के अब से लगभग छह

तिमाहियों के अंदर आने की संभावना है।' कंप्यूटर चिप बनाने वाली कंपनी माइक्रोन गुजरात में अपना सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण संयंत्र लगाएगी, जिस पर कुल 2.75 अरब डालर (लगभग 22,540 करोड़ रुपए) का निवेश किया जाएगा। माइक्रोन ने बृहस्पतिवार को बताया था कि दो चरणों में विकसित किए जाने वाले इस संयंत्र पर वह अपनी तरफ से 82.5 करोड़ डालर का निवेश करेगी। बाकी राशि का निवेश केंद्र एवं राज्य सरकारों की तरफ से किया जाएगा।

माइक्रोन ने कहा, 'गुजरात में इस असेंबली एवं परीक्षण संयंत्र का चरणबद्ध निर्माण वर्ष 2023 में ही शुरू हो जाने की उम्मीद है। पहले चरण में पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र विकसित किया जाएगा और वर्ष 2024 के अंत तक इसका परिचालन शुरू हो जाएगा।'

सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माता ने कहा कि इस संयंत्र से करीब 5,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा जबकि 15,000 लोगों को कई साल तक परोक्ष रोजगार मिलता रहेगा।

मई में भारत का इस्पात उत्पादन चार फीसद बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

मई 2023 में वैश्विक इस्पात उत्पादन 5.1 प्रतिशत घटकर 16.16 करोड़ टन रह गया, जबकि इस दौरान भारत में उत्पादन 4.1 प्रतिशत बढ़कर 1.12 करोड़ टन रहा। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन ने यह जानकारी दी।

वर्ल्ड स्टील के आंकड़ों के मुताबिक सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद चीन 9.01 करोड़ टन कच्चे इस्पात का उत्पादन करके शीर्ष पर रहा। संस्था ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि भारत ने 1.12 करोड़ टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया, जो मई 2022 के मुकाबले 4.1 प्रतिशत अधिक है। जापान का उत्पादन भी सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशत घटकर 76 लाख टन रहा। अमेरिका का उत्पादन 2.3 प्रतिशत घटकर 69 लाख टन रहा।

असैन्य उपयोग वाले ड्रोन के निर्यात की डीजीएफटी ने दी अनुमति

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों का निर्यात सुविधाजनक बनाने के इरादे से असैन्य इस्तेमाल वाले कुछ खास तरह के ड्रोन के निर्यात संबंधी मानदंडों में शुक्रवार को ढील देने की घोषणा की।

वाणिज्य मंत्रालय की शाखा विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि कुछ विशिष्टताओं वाले ड्रोन एवं मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) के निर्यात को 'ड्रोन निर्यात के सामान्य प्राधिकार' (जीएईडी) के तहत अनुमति दी जाएगी। जीएईडी तीन साल के लिए वैध लाइसेंस है।

डीजीएफटी ने कहा, स्कोमेट सूची में निर्दिष्ट श्रेणियों के अंतर्गत नहीं आने वाले और 25 किलोमीटर या उससे कम दूरी तक जाने में सक्षम होने के साथ 25 किलोग्राम से कम पेलोड वाले और असैन्य इस्तेमाल वाले ड्रोन या यूएवी का निर्यात अब जीएईडी के अधीन होगा। स्कोमेट सूची में विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण एवं प्रौद्योगिकी वाले उत्पाद शामिल हैं जिनके निर्यात की अनुमति सिर्फ निर्यात लाइसेंस जारी होने पर ही दी जाती है। डीजीएफटी के ताजा फैसले से पहले सभी श्रेणियों के ड्रोन एवं यूएवी स्कोमेट सूची में ही रखे गए थे लेकिन अब असैन्य इस्तेमाल वाले ड्रोन के निर्यात की अनुमति दे दी गई है। डीजीएफटी ने कहा कि इस कदम से ड्रोन एवं यूएवी निर्माताओं को निर्यात करने में सहूलियत होगा और इससे भारत का निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी।

फोर्टिस : फंड हेराफेरी मामले में पांच फर्मों को जुर्माना भरने का नोटिस

नई दिल्ली (भाषा)।

फोर्टिस हेल्थकेयर से जुड़े फंड हेराफेरी और इसे छिपाने के लिए गलत बयानी करने के मामले में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियामक बोर्ड (सेबी) ने पांच फर्मों को 15 दिन के अंदर 5.7 करोड़ रुपए चुकाने का निर्देश दिया है।

बाजार नियामक ने तय समय के अंदर जुर्माने की राशि नही चुकाने पर फर्मों की संपत्तियों एवं बैंक खातों को कुर्क करने की चेतावनी दी है। नोटिस भेजी जाने वाली कंपनियों के नाम सौभाग्य बिल्डकॉन, जॉल्टन प्रापर्टीज, टाइगर डेवलपर्स, टॉरस बिल्डकॉन और रोजस्टार मार्केटिंग है। यह नोटिस इन सभी कंपनियों पर सेबी की तरफ से पहले लगाए गए जुर्माने को नहीं चुकाने पर भेजा गया है। कंपनियों पर सेबी ने मई, 2020 में जुर्माना लगाया था।

बृहस्पतिवार को जारी नोटिस में सेबी ने इन इकाइयों को 15 दिन में 5.7 करोड़ रुपए चुकाने का निर्देश दिया। इसमें हर्जाने के अलावा ब्याज भी शामिल है। इस राशि को जमा नही करने पर सेबी कंपनियों की चल-अचल संपत्तियों को जब्त कर उनकी नीलामी कर राशि की वसूली करेगी।

अमेरिकी कंपनियों की घोषणाओं से निकलेंगी 80 हजार नौकरियां

■ 'बड़ा मील का पत्थर' साबित होंगी मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुईं घोषणाएं

■ अमेरिकी कंपनियों लैम रिसर्च, एप्लाइड मैटेरियल्स व माइक्रोन जैसी कंपनियों ने किया है निवेश का ऐलान

नई दिल्ली (भाषा)।

प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान माइक्रोन, एप्लाइड मैटेरियल्स और लैम रिसर्च जैसी कंपनियों की घोषणाएं एक बड़ा मील का पत्थर है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह देश में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च तकनीक क्षेत्र में तीन प्रस्ताव प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों और सेवाओं के लिए दोनों देशों के संकल्प को मजबूत करते है। इलेक्ट्रानिक्स और आईटी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि इन घोषणाओं से आपूर्ति श्रृंखला में अप्रत्यक्ष नौकरियों के अलावा कम से कम 80,000 प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

उन्होंने कहा कि ये प्रस्ताव कि इलेक्ट्रानिक्स और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देंगे। एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) तथा उन्नत कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी को आकार देंगे। उनकी टिप्पणी मोदी की अमेरिका यात्रा के बीच आई है। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच राजनियक, आर्थिक और व्यापार संबंधों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। चंद्रशेखर ने कहा कि दुनिया एक आर्थिक और तकनीकी शक्ति के रूप में भारत के उदय को समझती है। माइक्रोन गुजरात में अपना सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण संयंत्र लगाएगी, जिसपर कुल 2.75 अरब डलर (22,540 करोड़ रुपए) का निवेश होगा।

■ इन सभी कंपनियों की घोषणाओं से देश को बड़ा निवेश मिलेगा

■ माइक्रोन के संयंत्र पर होगा 22540 करोड़ का बड़ा निवेश

■ कई अन्य कंपनियां भी करेंगी निवेश

लैम रिसर्च ने सेमीकंडक्टर शिक्षा और कार्यबल के विकास में तेजी लाने के लिए 60,000 भारतीय इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने की पहल की है। एप्लाइड मैटेरियल्स इंक सहयोगी इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित करने के लिए 40 करोड़ अमेरिकी डालर का निवेश करेगी।

बिजली दरों की नई व्यवस्था से होगी 20 फीसद बचत

■ दिन के समय व पीक आवर्स के लिए अलग-अलग होंगी दरें ■ पीक आवर्स में पावर वाले उपकरण चलाने से बचेंगे उपभोक्ता

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार बिजली की दरें तय करने के लिए 'दिन के समय' (टीओडी) का नियम लागू करने वाली है। ऐसा होने पर देश भर के बिजली उपभोक्ता सौर घंटों (दिन के समय) के दौरान बिजली खपत का प्रबंधन कर अपने बिजली बिल में 20 प्रतिशत तक की बचत कर सकेंगे।

टीओडी नियम के तहत दिन के अलग-अलग समय के लिए बिजली की अलग-अलग दरें लागू होंगी। यह व्यवस्था लागू होने से बिजली की सर्वाधिक दर वाले समय (पीक ऑवर्स) में ग्राहक कपड़े धोने और खाना पकाने जैसी अधिक बिजली खपत वाले कामों से परहेज कर सकेंगे। उपभोक्ता नई व्यवस्था के तहत कपड़े धोने या खाना पकाने जैसे कार्य सामान्य कामकाजी घंटों में करते हुए अपना बिजली बिल कम कर सकेंगे।

टीओडी शुल्क व्यवस्था एक अप्रैल, 2024 से 10 किलोवाट और उससे ज्यादा मांग वाले वाणिज्यिक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए लागू हो जाएगी। कृषि छोड़कर अन्य सभी उपभोक्ताओं के लिए यह नियम एक अप्रैल, 2025 से लागू होगा।

हालांकि स्मार्ट मीटर वाले यूजर्स के लिए टीओडी व्यवस्था तभी लागू होगी जब वे इस तरह का मीटर लगवाएंगे। बिजली मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'भारत सरकार ने बिजली (उपभोक्ता अधिकार) नियम, 2020 में संशोधन कर मौजूदा बिजली शुल्क प्रणाली में दो बदलाव किए है। ये बदलाव दिन के समय (टीओडी) शुल्क प्रणाली की शुरुआत और स्मार्ट मीटर से जुड़े प्रावधानों को युक्तिसंगत बनाने से संबंधित है।'

इसके मुताबिक, दिन भर एक ही दर पर बिजली के लिए शुल्क लेने के बजाय उपयोगकर्ता द्वारा बिजली के लिए भुगतान की जाने वाली कीमत दिन के अलग-अलग समय के हिसाब से अलग-अलग होगी।

बयान के अनुसार, नई शुल्क प्रणाली के अंतर्गत सौर घंटों में बिजली की दर (राज्य बिजली नियामक आयोग द्वारा आठ घंटे तय की गई) सामान्य दर से 10 से 20 प्रतिशत कम होगी, जबकि बिजली के सर्वाधिक उपयोग के समय से यह 10 से 20 प्रतिशत ज्यादा होगी।

जीएसपी बहाली पर चर्चा करेंगे : गोयल

नई दिल्ली (भाषा)। भारत और अमेरिका घरेलू निर्यातकों के लिए जीएसपी लाभ बहाल करने की मांग पर चर्चा करने पर भी सहमत हुए है। इसके लिए भारत ने मांग की थी और अब दोनों पक्ष समाधान खोजने के लिए चर्चा शुरू करेंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अमेरिका में ट्रंप सरकार ने 2019 में भारत से सामान्यीकृत प्राथमिकता प्रणाली (जीएसपी) को रद्द कर दिया था। जीएसपी के तहत पात्र विकासशील देशों को अमेरिका में शुल्क-मुक्त निर्यात करने की अनुमति दी जाती है। जीएसपी प्रणाली की शुरुआत 1976 में हुई थी और इसके तहत रसायन और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों के लगभग 1,900 भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिल रही थी।

सामाजिक व आर्थिक विषमताएं खत्म किए बिना आत्मनिर्भर भारत संभव नहीं : गडकरी

मुंबई (भाषा)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश में सामाजिक-आर्थिक विषमताओं को खत्म किए बिना 'आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य संभव नहीं है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि कृषि, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सरकारी नीति का मकसद इन क्षेत्रों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान को बढ़ाकर 25 प्रतिशत करना होना चाहिए, जो इस समय 12 प्रतिशत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी के बीच 'आत्मनिर्भर भारत' के

लक्ष्य को अपनाया था। गडकरी ने यहां आरबीआई गवर्नरों पर आधारित एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा, 'यदि सामाजिक-आर्थिक विषमता खत्म नही होती है, तो आत्मनिर्भर भारत संभव नही है।' गडकरी ने कहा कि समय के साथ समाजवादी और कम्युनिस्ट विचारधारा को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया है और संसद में माकपा और भाकपा के सदस्यों की संख्या भी घट गई है।

उन्होंने कहा कि चीन में भी केवल लाल झंडे ही बचे है, जबकि उसने वृद्धि के लिए बाजार-केंद्रित नजरिया अपना लिया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय आडिट से आगे बढ़कर परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए प्रदर्शन आडिट भी जरूरी है। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी की वकालत करते हुए कहा कि वृद्धि के लिए पूंजी और निवेश जरूरी है।

सोना 370 रुपए टूटा

नई दिल्ली (भाषा)। विदेशी बाजारों में कमजोर रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 370 रुपए की गिरावट के साथ 59,180 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 59,550 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 550 रुपए लुढ़ककर 70,950 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की हाजिर कीमत 370 रुपए की गिरावट के साथ 59,180 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई।'

विदेशी मुद्रा भंडार 596 अरब डालर पर पहुंचा

■ अक्टूबर 2021 में रिकार्ड 645 अरब डालर था ■ स्वर्ण भंडार का मूल्य 32.4 करोड़ डालर घटा

मुंबई (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 16 जून को समाप्त सप्ताह में 2.35 अरब डालर बढ़कर 596.098 अरब डालर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पहले के सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.318 अरब डालर घटकर 593.749 अरब डालर रह गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डालर के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इस भंडार में गिरावट आई है।

रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 16 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.578 अरब डालर बढ़कर 527.651 अरब डालर हो गईं। डालर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

हालांकि रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य 32.4 करोड़ डालर घटकर 45.049 अरब डालर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.2 करोड़ डालर बढ़कर 18.249 अरब डालर हो गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा हुआ देश का मुद्रा भंडार 3.4 करोड़ डालर बढ़कर 5.149 अरब डालर हो गया।

तमिलनाडु स्थित सहकारी बैंक की चूक का खुलासा

चेन्नई (भाषा)।

आयकर विभाग ने तमिलनाडु के एक सहकारी बैंक में जान बूझकर की गई चूक का पता लगाया है जिसमें सरकारी खजाने को कई करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

विभाग की खुफिया एवं आपराधिक जांच शाखा के अनुसार वित्तीय संस्थानों, बैकों और सहकारी बैंकों को वित्तीय लेनदेन विवरण (एसएफटी) के रूप में ग्राहकों के नकद जमा और उन्हें भुगतान किए गए ब्याज की जानकारी विभाग को देनी होती है। सूत्रों ने कहा कि पुदुकोट्टई जिले में स्थित एक सहकारी बैंक ने पिछले चार वर्षों की जमा राशि के आधार पर ग्राहकों को दिए गए ब्याज का विवरण नही भेजा है।

सेंसेक्स 260 अंक फिसला

मुंबई (भाषा)। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 259.52 अंक फिसलकर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और केंद्रीय बैंकों की तरफ से नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच बाजार नुकसान में रहा। कारोबारियों के मुताबिक, घरेलू बाजार की दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और एलएंडटी के शेयरों में बिकवाली का दबाव होने से भी सूचकांक नीचे आ गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 259.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 62,979.37 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 364.77 अंक तक गिर गया था लेकिन बाद में थोड़ा संभला। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 105.75 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,665.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा मोटर्स में सर्वाधिक 1.77 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा एसबीआई, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी और सन फार्मा के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। जियोजीत फाइनेंशियल के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'वैश्विक केंद्रीय बैंक वर्तमान में मुद्रास्फीति को काबू में करने की कोशिश में लगे हुए है और उन्होंने अपने लक्ष्य स्तर तक पहुंचने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

पुजारा और उमेश की हुई टेस्ट टीम से छुट्टी

गायकवाड़, जायसवाल और मुकेश को पहली बार मौका, रहाणे फिर उपकप्तान, शमी को आराम

विंडीज दौरे के लिए भारतीय टेस्ट और वनडे टीम का ऐलान

मुबंई। रोहित शर्मा के नेतृत्व में वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए शुक्रवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई। चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है जबकि वनडे, आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऋतुराज गायकवाड़, यशस्वी जायसवाल और मुकेश कुमार को टेस्ट टीम में पहली बार शामिल किया गया है। पिछले एक साल से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे यशस्वी जायसवाल की तपस्या सफल हो गयी है। वहीं मध्यम तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टेस्ट और एक दिवसीय से आराम दिया गया हैं। संजू सैमसन की वनडे टीम में वापसी हुई है।

अजिंक्य रहाणे पुनः टेस्ट टीम के उपकप्तान बने हैं। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती दो टेस्ट मैचों तक यह पद केएल राहुल के पास था। मुकेश कुमार को भी एकदिवसीय स्क्वाड में पहली बार शामिल किया गया हैं। नवदीप सैनी फिट होकर टेस्ट टीम में वापस आए हैं। पिछली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा रहे राहुल और वॉशिंगटन सुंदर भी इस टीम का हिस्सा नहीं हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

टेस्ट टीम रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), केएस भरत (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, मो. सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, नवदीप सैनी।

वनडे टीम रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्य कुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), शार्दुल ठाकुर, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मो. सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार।

रणजी व ईरानी कप में भी यशस्वी का जलवा

जायसवाल ने रणजी ट्रॉफी 2022-23 के पांच मैचों में 45.00 की औसत से एक शतक और पांच अर्धशतक के साथ 315 रन बनाए। वह ईरानी कप में सर्वोच्च स्कोरर रहे। उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ शेष भारत के लिए शानदार 213 और 144 रनों के साथ 357 रन बनाए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 15 मैचों में 80.21 की औसत से 1845 रन बनाए हैं। घरेलू सर्किट में उनके नौ शतक और दो अर्धशतक भी हैं।

चोटिल केएल की वापसी की राह कठिन

भारतीय टेस्ट टीम में केएल राहुल की जगह अजिंक्य रहाणे को उपकप्तान बनाया गया है। इससे पहले केएल राहुल भारतीय टीम टेस्ट टीम के उपकप्तान थ। हालांकि, इन दिनों राहुल अपनी इंजरी से रिकवर हो रहे हैं और वो चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। अब चोट से रिकवर होने के बाद राहुल को वापिस करना मुश्किल होगा। केएल राहुल अब तक 47 टेस्ट खेल चुके हैं। इन मैचों की 81 पारियों में उन्होंने 33.44 की औसत से 2642 रन बनाए हैं।

12 जुलाई को पहले टेस्ट के साथ होगी दौरे की शुरुआत

भारत को पांच टी20 मैच भी खेलने हैं जिसके लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। भारतीय टीम पहला टेस्ट मैच 12 से 16 जुलाई के बीच विंडसर पार्क, डोमिनिका में खेलेगी जबकि दूसरा टेस्ट और अंतिम टेस्ट मैच 20-24 जुलाई के बीच क्वींस पार्क ओवल, त्रिनिदाद में खेला जायेगा। भारतीय टीम मौजूदा दौरे में अपना पहला एक दिवसीय मैच 27 जुलाई से केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेलेगी जबकि दूसरा वन डे केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस और तीसरा वनडे एक अगस्त को ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद में खेला जायेगा।

मुकेश बोले, मेरा सपना अब मेरे सामने...

मुकेश कुमार बंगाल के लिए खेलते हैं और 30 वर्ष के तेज गेंदबाज को उनकी लाइन और लेंथ के लिए जाना जाता है। बंगाल की टीम जो पिछले तीन में से दो रणजी ट्रॉफी फाइनल खेली है उसमें मुकेश का अहम योगदान रहा है। वह टेस्ट रडार पर थे और पिछले दो सीजन में हर भारत ए के दौरे की टीम में शामिल थे। उनक नाम 39 प्रथम श्रेणी मैचों में 149 विकेट हैं। टेस्ट और वनडे टीम में चुने जाने के बाद मुकेश ने कहा, कहते हैं ना कि अगर आप टेस्ट नहीं खेले तो क्या खेले। मेरा सपना अब मेरे सामने है। मैं हमेशा यहां होना चाहता था, भारत के लिए टेस्ट खेलना चाहता था। और मैं आखिर टीम में शामिल हो गया।

IPL 2023
यशस्वी जायसवाल

मैच	14
रन	625
औसत	48.08
शतक	01
अर्धशतक	05
सर्वोच्च स्कोर	124

सरफराज व अभिमन्यु की अनदेखी

वेस्टइंडीज दौरे के लिए चुनी गई टेस्ट टीम में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले अभिमन्यु ईश्वरन ,सरफराज खान और प्रियांक पंचाल को जगह नहीं मिली। वहीं आईपीएल 2023 में अच्छा प्रदर्शन करने वाले ऋतराज और यशस्वी को शमिल किया गया हैं।

घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन

37 फर्स्ट क्लास	3505 रन
26 लिस्ट ए मैच	469 रन
88 टी20 मैच	1124 रन

18 महीने में फर्श से अर्श पर पहुंचे रहाणे

अजिंक्य रहाणे को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए फिर से उप कप्तान की जिम्मेदारी मिली हैं। 18 महीने में रहाणे फर्श से अर्श पर पहुंचे गए हैं। रहाणे ने लंबे समय बाद डब्ल्यूटीसी के लिए भारतीय टीम में जगह मिली। डब्ल्यूटीसी फाइनल में रहाणे ने भारत की ओर से सबसे ज्यादा 135 (98 और 46) रन बनाए। विराट कोहली के कप्तानी कार्यकाल के दौरान

अजिंक्य रहाणे टीम के उपकप्तान रहे थे लेकिन रोहित शर्मा के कप्तान बनने के पहले ही उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। इसके बाद रहाणे लगभग 16 महीने तक भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे, उन्हें टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था और सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से भी बाहर कर दिया गया था। लेकिन घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद, उन्होंने डब्ल्यूटीस फाइनल के लिए भारतीय टीम में वापसी की।

10 सीमित ओवर के मैच खेल चुके हैं गायकवाड़

पिछले साल अक्तूबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र वनडे खेलने वाले ऋतुराज गायकवाड़ को भी टीम में चुना गया है। गायकवाड़ भारत के लिए 10 सीमित ओवर के मैच खेल चुके हैं। गायकवाड़ का महाराष्ट्र के लिए खेलते हुए प्रथम श्रेणी औसत 28 मैचों में छह शतक के साथ 42.19 का है।

डब्ल्यूटीसी में खराब प्रदर्शन के बाद पुजारा और उमेश पर गिरी गाज

डब्ल्यूटीसी के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के बाद भारतीय टेस्ट टीम में बड़े बदलाव देखने को मिले। दिग्गज मध्यक्रम बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को विंडीज दौर के लिए टीम से बाहर कर दिया गया हैं। चेतेश्वर पुजारा ने डब्ल्यूटीसी के फाइनल की दोनों पारियों में संघर्ष करते हुए नजर आए थे। इस अनुभवी बल्लेबाज ने काउंटी में शानदार प्रदर्शन किया था, उस अच्छे प्रदर्शन को वह भारत के लिए खेलते हुए दोहराने में नाकाम साबित रहे थे, इसलिए उन पर गाज गिरी है। पुजारा का पिछले कुछ समय में 4 विदेशी दौरों पर खेले गए 10 टेस्ट मैच में 28.15 का औसत है। पुजारा ने पिछली 10 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक जड़ा हैं। उमेश यादव ने डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच की पहली पारी में कुल 23 ओवर गेंदबाजी की लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। वहीं उन्होंने दूसरी पारी में कुल 17 ओवर की गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए थे। साल 2023 में उमेश यादव के तीन टेस्ट मैच की छह पारियों में 55.80 की औसत से महज पांच विकेट लिए।

पिछली 10 टेस्ट पारी में चेतेश्वर पुजारा का प्रदर्शन

खिलाफ	पहली पारी	दूसरी पारी
ऑस्ट्रेलिया	7	-
ऑस्ट्रेलिया	00	31*
ऑस्ट्रेलिया	01	59
ऑस्ट्रेलिया	42	-
ऑस्ट्रेलिया	14	27

एशिया कप जीतकर लौटीं भोपाल की बेटी सौम्या तिवारी

राजधानी लौटने पर हुआ जोरदार स्वागत, एयरपोर्ट से निकाली रैली

भोपाल। पहली बार एशिया क्रिकेट कप (इमर्जिंग) विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहीं भोपाल की सौम्या तिवारी शुक्रवार को लगभग 40 दिनों के दौरे के बाद (14 मई से 21 जून तक) अपने घर वापस लौटी। भोपाल एयरपोर्ट पर सौम्य को जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सौम्या के मम्मी-पापा, बहन एवं अन्य परिवारजनों, शुभचिंतकों और कोच सुरेश चेनानी ने एयरपोर्ट से रैली निकाली। भारत के तिरंगे को पहने हुए घर पहुंचने पर सौम्या की मम्मी ने आरती करते हुए विजयी टीका लगा कर अभिनंदन किया। खुशी के इस अवसर पर रंगीन आतिशबाजी से स्वागत किया गया। सौम्या के नगर आगमन पर बीडीसीए के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह जी, सचिव रजत वर्मा एवं सौम्या के कोच सुरेश चैनानी, बधाइयां दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं की। आज शाम 6 बजे अरेरा अकादमी में सौम्या का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा।

दूसरे एशेज टेस्ट के लिए स्पिनर रेहान अहमद इंग्लैंड टीम में शामिल

लंदन। 18 वर्षीय युवा लेग स्पिनर रेहान अहमद को एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के लिए टीम में इंग्लैंड टीम शामिल किया क्योंकि मोईन अली की चोटिल ऊंगली को लेकर चिंता बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को एजबेस्टन में पहले टेस्ट में दो विकेट की जीत के बाद पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट बुधवार से लाड्र्स में शुरु होगा। हालांकि 36 वर्षीय अली के समय पर उबरने की उम्मीद है। अहमद इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने थे जब दिसंबर में उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टीम में चुना गया था, तब वह 18 वर्ष और 126 दिन के थे।

जीत के साथ प्री-क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचे चावला

6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप लीग मुकाबलों में ग्रुप बी-में पहले स्थान पर रहे

भोपाल, खेल संवाददाता। मध्य प्रदेश के कमल चावला ने तेहरान में आयोजित 6-रेड एशियन स्नूकर चैंपियनशिप के प्री-क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। लीग मुकाबलों में उन्होंने ग्रुप-बी में पहला स्थान अर्जित किया। एक दिन पहले ही एशियन टीम स्नूकर चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाले कमल चावला ने ग्रुप बी में अपने तीन में से दो मैच जीते। एक में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। पहले लीग मैच में उन्होंने अफगानिस्तान के मोहम्मद नूर जाई को 4-1 (53-7, 20-37, 35-2, 36-26) से हराया। दूसरे मुकाबले में वे ईरान के अलो रोशनीकिया से 1-4 से परास्त हुए। अंतिम लीग मैच में कमल ने चेग वाई को 4-1 (39-30, 41-0, 23-34, 33-26) से हराकर ग्रुप में पहला स्थान अर्जित कर नॉकआउट दौर में प्रवेश किया।

श्रीलंका ने 90 गेंदों में जीता मैच

क्वॉलीफायर में ओमान को 10 विकेट से रौंदा

बुलवायो। मैन ऑफ द मैच वनिंदु हसरंगा की घातक गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के क्वॉलीफायर मुकाबले में ओमान को 210 गेंद शेष रहते 10 विकेट से हराकर दूसरी जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान की टीम 30.2 ओवर में महज 98 रनों पर ढेर हो गई। जबाव में श्रीलंका ने 15 ओवर में बिना विकेट गंवाए लक्ष्य हासिल कर लिया। ओमान के अयान खान 41 रन, जतिंदर सिंह 21 रन और फयाज बट 13 रन ही दहाई का आंकड़ा छू सके। हसरंगा ने 7.2 ओवर में महज 13 रन देकर पांच विकेट चटकाए। इसके अलावा लहिरु कुमारा ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाके पथुम निसांका (37 रन) और दिमुथ करुणारत्ने (61 रन) ने 100 रन की मैच विजयी नाबाद साझेदारी की। वर्ल्ड कप क्वॉलीफायर के ग्रुप-बी में श्रीलंका टॉप पर चल रहा है। वहीं ओमान की टीम की तीन मैचों में यह पहली हार थी।

हसरंगा ने लगातार दूसरी बार झटके पांच विकेट

यह लगातार दूसरा मौका है, जब हसरंगा ने 5 विकेट लेने का कारनामा किया हो। बता दें, उन्होंने अपने पिछले मैच में यूएई खिलाफ 6 विकेट चटकाए थे, जो कि उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। हसरंगा लगातार 2 वनडे में कम से कम पांच विकेट लेने वाले दूसरे श्रीलंकाई गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले अशांथा डी मेल ने जून 1983 में पाकस्ि व न्यूजीलैंड के खिलाफ यह कारनामा किया था।

सेमीफाइनल में पहुंचीं मनिका-साथियान की जोड़ी

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर में जर्मनी की जोड़ी को हराया

नई दिल्ली। मनिका बत्रा और जी साथियान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने ट्यूनिस में आयोजित डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने जर्मनी के सेड्रिक मीस्नर और युआन वान की जोड़ी को 21 मिनट तक चले मुकाबले में 3-0 (11-8 11-3 11-8) से मात दी। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी की भिड़ंत शिन युबिन और लिम जोंगहून की कोरियाई जोड़ी से होगी। पुरुष एकल में हरमीत देसाई प्री-क्वॉर्टर फाइनल में चीन के लियांग यानिंग के हाथों 0-3 से हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी हार के बाद पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। मनिका और साथियान क्रमशः महिला और पुरुष एकल के पहले दौर में ही बाहर हो गए थे।

हॉकी प्रदेश को स्वर्ण, चंडीगढ़ को रजत व हरियाणा को कांस्य

मप्र ने जीती जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप

राउरकेला। हॉकी मध्य प्रदेश ने गुरुवार को हॉकी चंडीगढ़ को 4-2 से हराकर 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2023 का खिताब अपने नाम कर लिया है। हॉकी मध्य प्रदेश की ओर से सर्वाधिक दो गोल श्रेयस धूपे ने 17वें और 46वें मिनट पर दागे जबकि मोहम्मद कोनैन डैड 25वें और अली अहमद 52वें मिनट पर शानदार गोल कर जीत की पटकथा लिख दी। हॉकी चंडीगढ़ के लिए सुमित ने नौवें और सुरिंदर सिंह 31वें मिनट पर गोल किए। टूर्नामेंट के विजेता मध्यप्रदेश को स्वर्ण, उपविजेता चंडीगढ़ को रजत और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम हरियाणा को कांस्य पदक मिला। हॉकी चंडीगढ़ के कोच गुरमिंदर सिंह ने कहा, टीम ने पूरी चैंपियनशिप में बहुत अच्छा खेला, हमने राउरकेला आने से पहले अपने सेट-अप और पेनल्टी कॉर्नर पर काम किया और यह हमारे लिए अच्छा रहा कि अंत में हम यहां तक पहुंच गए। हमने जिन भी टीमों के खिलाफ खेला वे अच्छी थीं, लड़कों के लिए यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा। इस बीच, हॉकी हरियाणा ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को 3-1 से हराकर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया।

जीत के बाद मप्र के कोच बोले...

हॉकी मध्य प्रदेश के कोच मंगल वैद ने कहा, हमारा मकसद गेंद पर कब्जा बनाए रखना और काउंटर की तलाश करके राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना था। राउरकेला पहुंचने से पहले हमारे खिलाड़ियों ने तालमेल बैठाने और विरोधियों पर दबाव बनाने की दिशा में काम किया। मुझे लगता है कि इससे हमें बहुत मदद मिली। भाग लेने वाली सभी टीमों में कुछ बहुत ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी थे, और मुझे लगता है कि खिताब का फैसला उस दिन प्रत्येक टीम के प्रदर्शन और भाग्य के आधार पर किया गया था।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के स्टार भारत के राजीव मिश्रा का निधन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के मिल्टन कीन्ज में 1997 में आयोजित जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत के प्रमुख स्ट्राइकर रहे राजीव मिश्रा का 46 साल की उम्र में निधन हो गया। राजीव ने 1997 जूनियर विश्व कप में भारत को रजत पदक दिलाया था। टीम 12 साल बाद टूर्नामेंट में वापसी कर रही थी। हालांकि भारत फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार गया, लेकिन टूर्नामेंट में छह गोल के साथ मिश्रा को भारतीय हॉकी अगले स्टार के रूप में देखा गया। हॉकी इंडिया ने एक ट्वीट में कहा, हम अपने पूर्व जूनियर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और 1997 एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप के रजत पदक विजेता राजीव मिश्रा के निधन से बहुत दु:खी हैं।

पहले मैच में कनाडा से होगी भारत की भिड़ंत

नई दिल्ली। भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम 29 नवंबर से शुरू होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2023 में कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। आयोजन समिति ने गुरुवार रात को चिली के सैंटियागो में 29 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट के लिए पूल और कार्यक्रम की घोषणा की। प्रतिष्ठित आयोजन से पहले एफआईएच ने नई जूनियर महिला विश्व रैंकिंग का भी खुलासा किया, जिसके अनुसार भारत छठे स्थान पर है, जबकि नीदरलैंड पहले स्थान पर है। इस बीच, अर्जेंटीना, जर्मनी, इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। गौरतलब है कि कॉन्टिनेंटल रैंकिंग में भारत शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। भारतीय टीम को बेल्जियम, कनाडा और जर्मनी के साथ पूल सी में रखा गया है। भारत एक दिसंबर को जर्मनी से भिड़ने से पहले 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अपने तीसरे और आखिरी पूल गेम में भारतीय टीम दो दिसंबर को बेल्जियम से भिड़ेगी।

इन बासी फूड्स को हाथ लगाने से भी करें परहेज

जब घर में ज्यादा लोग मौजूद हों तो अक्सर खाने-पीने की क्वांटिटी का अंदाज नहीं मिल पाता और खाना ज्यादा पक जाता है, कई बार खाने की इच्छा कम होने के कारण भी भोजन का बच जाना लाजमी है। फूड वेस्ट न हो जाए इसलिए हम अक्सर कई घंटों बाद या अगले दिन बचे हुए भोजन को खा जाते हैं। कुछ लोग आलस की वजह से भी कई टाइन का खाना एक साथ बना लेते हैं और थोड़ी-थोड़ी मात्रा में अलग-अलग वक्त में इनका सेवन करते है, लेकिन आप ये जानकर चौंक जाएंगे कि कुछ बासी चीजों को खाने से आपकी सेहत को तगड़ा नुकासान पहुंच सकता है।

इन बासी फूड्स से करें परहेज

ऑयली फूड्स

भारत में कुकिंग ऑयल की खपत काफी ज्यादा होती है, क्योंकि यहां तेल में पके हुए भोजन खाने वालों

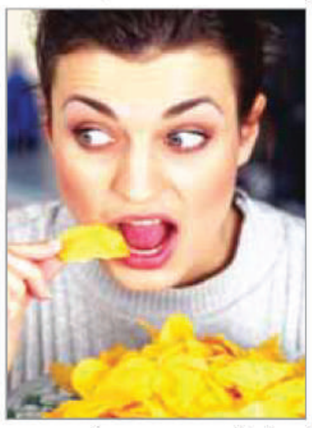

की कोई कमी नहीं है, इस देश में कई ऐसे लजीज व्यंजन खाए जाते हैं तो बेहद लजीज होचे हैं। कई बार शादी या पार्टीज में हम इन ऑयली फूड को पैक करके रख लेते हैं और दूसरे दिन इसे निकालकर या दोबारा गर्म करने के बाद खाते हैं, ऐसा करना आपकी सेहत के लिहास से काफी खतरनाक है, क्योंकि तेल को रीहीट करने से दिल की बीमारियों का खतरा कई गुणा बढ़ जाता है, साथ ही ये वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।

उबले आलू

आलू को उबालकर खाने का शौक तो आप भी रखते होंगे, ब्लॉइल्ड पोटेटोज से कई तरह की रेसेपीज बनाई जा सकती है, जिसमें तीखी सब्जी, पकौड़ी, चोखा, आलू चाट और टिक्की वगैरह। खासकर स्ट्रीट फूड में इसका इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है, लेकिन मार्केट में इसे खाने में थोड़ी सावधानी बरते अक्सर पुराने उबले हुए आलू का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे आलू के अंदर की क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम सड़ने लगती जो हमारे पेट में गड़बड़ी पैदा कर सकती है।

अंडा

इस बात से हम सभी वाकिफ हैं कि अंडा खाना हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है, इसलिए

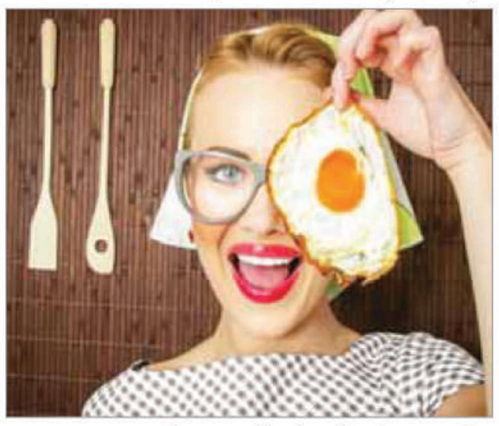

खासकर ब्रेकफास्ट में इसे खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन बासी अंडा खाना समझदारी नहीं होती क्योंकि इस सुपरफूड में कई तरह के बैक्टीरिया पनप सकते हैं जो हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाने के लिए काफी हैं।

कहीं आपकी स्पोर्ट्स ब्रा ही ना कर दे आपको बीमार

हेल्दी रहने के लिए हम सभी वर्कआउट करते हैं या फिर जिम में घंटों पसीना बहाते हैं। हालांकि, जिम जाने के लिए आपको उसकी पूरी तैयारी करनी पड़ती है। अक्सर फिटनेस फ्रीक लोगों के वार्डरोब में जिम वियर और स्पोर्ट्स ब्रा जैसे आउटफिट मिल जाएंगे। ऐसा माना जाता है कि जब इस तरह के आउटफिट पहनकर वर्कआउट किया जाता है तो यह अधिक आरामदायक हो सकता है। स्पोर्ट्स ब्रा ना पहनने से एक्सरसाइज करते हुए पीठ और गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव पड़ सकता है, जिससे चोट लग सकती है। इतना ही नहीं, दौड़ते समय या हाई इंटेसिटी वर्कआउट करते हुए एक स्पोर्ट्स ब्रा आपके ऊपरी शरीर पर तनाव को कम करने में मदद कर सकती है और एक अच्छे पोश्चर को बनाए रखने में मदद कर सकती है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि गलत तरह की स्पोर्ट्स ब्रा और जिम वियर पहनने से आप बीमार पड़ सकते हैं। इसके कारण आपको कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

दर्द की समस्या

यूं तो स्पोर्ट्स ब्रा वर्कआउट के दौरान आपकी ब्रेस्ट को अतिरिक्त सपोर्ट प्रदान करती हैं। वहीं, जिम वियर पसीना सोखने में मदद करते हैं, जिससे आप अधिक कंफर्टेबल फील करते हैं। लेकिन अगर इसे पूरे दिन पहना जाता है तो इससे दर्द की समस्या हो सकती है। अमूमन स्पोर्ट्स ब्रा बहुत टाइट होती हैं, और यह पीठ की मसल्स को कमजोर करने, कंधे में दर्द पैदा करने और आपके

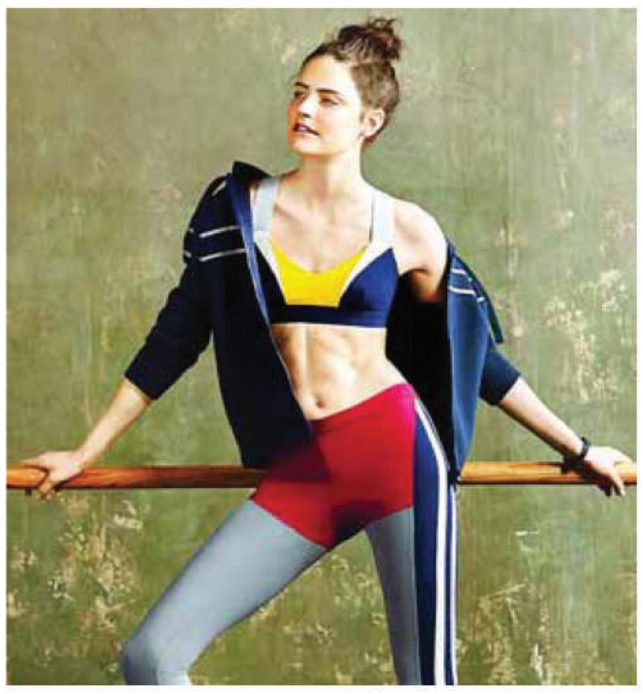

पोश्चर को खराब कर सकती है। हमेशा याद रखें कि ऐसा कुछ पहनना अच्छा नहीं है जो पूरे दिन बहुत तंग हो।

स्किन प्रॉब्लम्स

अगर पूरा दिन जिम वियर या स्पोर्ट्स ब्रा को पहनती हैं तो इससे आपकी स्किन को भी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। दरअसल, जब बहुत अधिक कंप्रेसिव गारमेंट को हटाया नहीं जाता है, तो उससे कुछ जलन हो सकती है। कुछ लोगों को इससे फंगल इंफेक्शन भी हो सकता है। इसलिए, वर्कआउट के बाद भी जिम वियर पहनना बिल्कुल भी समझदारी नहीं है।

अन्य समस्याएं

कुछ अध्ययनों का दावा है कि अतिरिक्त दबाव कैंसर से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, एक अन्य टेस्ट में स्पोर्ट्स ब्रा, लेगिंग और अन्य जिमवियर में जहरीले रसायन बीपीए को बहुत उच्च स्तर पर पाया गया। बीपीए जिसे बिस्फेनॉल ए भी कहा जाता है, अस्थमा से लेकर हृदय रोग और मोटापा जैसी कई समस्याओं की वजह बन सकता है। क्या करें

यह सच है कि स्पोर्ट्स ब्रा व अन्य जिम वियर से आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अगर आप कुछ बातों का ध्यान रखते हैं तो इससे आप इन समस्याओं से बच सकते हैं। मसलन-

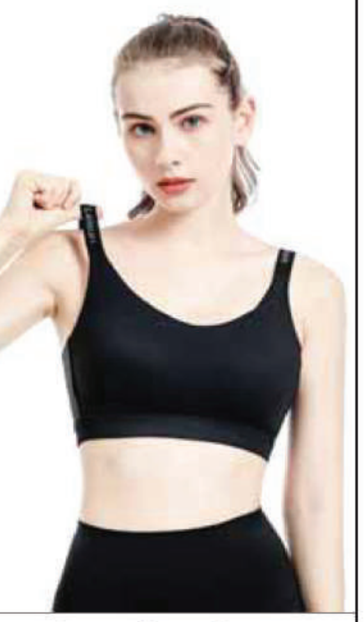

- स्पोर्ट्स ब्रा व अन्य जिम वियर को पूरा दिन ना पहनें। इसके केवल वर्कआउट के दौरान ही पहनना चाहिए। जब आपका वर्कआउट कंप्लीट हो जाए तो इन जिम वियर को उतार दें।
- इरिटेशन व जलन से बचने के लिए वर्कआउट के बाद शॉवर लें। साथ ही, अपने वर्कआउट क्लॉथ्स को भी क्लीन करना ना भूलें।
- हमेशा किसी अच्छे ब्रांड के स्पोर्ट्स ब्रा और जिम वियर को ही खरीदें। हाई क्वालिटी के कारण स्किन को होने वाली परेशानियों की संभावना काफी कम हो जाती है।
- हमेशा सुनिश्चित करें कि वर्कआउट के कपड़े पसीने को सोखने वाले हों। इस प्रकार के कपड़े वर्कआउट करते समय आपको ठंडा और आरामदायक रखने में मदद करता है।
- स्पोर्ट्स ब्रा और जिम वियर को हमेशा अपने साइज के अनुसार ही खरीदें। बहुत अधिक तंग जिम वियर को पहनने से बचें।

क्या आप जानते हैं?

24 जून का इतिहास

- मुम्बई से न्यूयार्क 1966 को जा रहे एयर इंडिया के विमान के स्विट्जरलैण्ड के माउंट ब्लैंक में दुर्घटनाग्रस्त होने से 117 लोगों की मौत।
- भारतीय टीम 1974 में लॉडर्स टेस्ट की दूसरी पारी में इंग्लैंड के खिलाफ 42 रन पर सिमट गई। ये टेस्ट में भारत का न्यूनतम स्कोर है और वह पारी और 285 रन से हारा।
- न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे पर 1975 में ईस्टर्न 727 विमान दुर्घटना में 113 लोग मारे गये।
- सरकार ने 1986 में घोषणा की है कि अविवाहित माता अपनी रोजगार योजना के तहत भी मातृत्व अवकाश प्राप्त करेगी।
- बोफोर्स बंदूक सौदे पर कैग की रिपोर्ट के मुद्दे पर बहुमत वाले विपक्षी सदस्यों ने 1989 में लोकसभा से इस्तीफा दे दिया।
- रक्षा वैज्ञानिकों ने 1990 में देश की पहली तीसरी पीढ़ी के एंटी टैंक मिसाइल 'एनएजी' की सफलतापूर्वक जांच की।
- अफ्रीकी देश तंजानिया में 2002 को ट्रेन दुर्घटना में 281 लोगों की मौत।
- अमेरिका द्वारा भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी को 2005 में मान्यता मिली।
- इराकी हाई ट्रिब्यूनल ने 2007 में सद्दाम हुसैन के चचेरे भाई अली हसन अल माजिद उर्फ केमिकल अली सहित तीन लोगों को फांसी की सजा सुनाई।
- नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने 2008 में अपने पद से इस्तीफा दिया।
- मिस्र में पहली बार हुए राष्ट्रपति चुनाव में 2012 को मुस्लिम ब्रदरहुड के मुहम्मद मुर्सी 51.73प्रतिशत मत पाकर निर्वाचित हुए।
- ब्रिटेन में यूरोपीय संघ से संबंध के प्रश्न पर हुए 23 जून के जनमत-संग्रह में 52प्रतिशत लोगों ने 2016 में अलगाव के पक्ष में मत दिया।

देसी गर्ल की तरह चाहिए टोंड फिगर तो अपनाएं ये टिप्स

बॉलीवुड में जब भी किसी फिट और फिटनेस फ्रीक सेलिब्रिटी का जिक्र होता है तो उसमें देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा का नाम जरूर लिया जाता है, जो अपने परफेक्ट फिगर से लोगों को फिटनेस गोल देती हैं। अगर आप भी चाहती हैं कि आपका फिगर प्रियंका चोपड़ा की तरह हो, तो हम आपको

बताते हैं देसी गर्ल का फिटनेस मंत्र जिसे फॉलो करके आप उनकी तरह परफेक्ट बॉडी और टोंड फिगर पा सकते हैं। बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा यूं तो बहुत फूडी है और उन्हें इंडियन खाना बहुत पसंद है, लेकिन वह न्यूट्रिशन का बहुत ध्यान रखती है और एक बैलेंस डाइट लेती हैं। प्रियंका चोपड़ा एक हेल्दी ब्रेकफास्ट के साथ दिन की शुरुआत करती हैं, जिसमें वह ऑमलेट, पराठा, टोस्ट या डोसा खाना पसंद करती हैं। इसके अलावा लंच में वह दाल, चावल, रोटी, सब्जी, सलाद जैसी एक परफेक्ट मील लेती है। शाम के स्नैक्स में उन्हें रोस्टेड मखाने खाना बहुत पसंद है और रात को वो एक लाइट मील लेती हैं। जिसमें सूप से लेकर लीन प्रोटीन शामिल होता है।

फिश और चिकन

प्रियंका चोपड़ा एक पंजाबी फैमिली से आती है, ऐसे में उन्हें नॉनवेज बहुत पसंद है। हालांकि, वह अपनी डाइट में लीन मीट यानी कि चिकन और फिश खाना पसंद करती हैं। पीसी का मानना है कि शरीर से टॉक्सिन को निकालने के लिए पानी पीना बहुत ज्यादा जरूरी है। उनका फिटनेस सीक्रेट यही है कि वह हाइड्रेशन का बहुत ध्यान रखती हैं और पानी की कमी कभी नहीं होने देती हैं। प्रियंका चोपड़ा अपनी डेली रूटीन में ना सिर्फ अपनी फिजिकल हेल्थ बल्कि मेंटल हेल्थ पर भी बहुत ध्यान रखती है, इसलिए वह अपनी रूटीन लाइफ में योग को बहुत महत्व देती हैं. इसके अलावा वेटलिफ्टिंग और स्विमिंग करना उन्हें बहुत पसंद है, जिससे उनकी पूरी बॉडी टोंड रहती है।

लैपटॉप और कंप्यूटर पर लगातार काम करने से थक गई आपकी उंगलियां

भारत की एक बड़ी आबादी लैपटॉप और कंप्यूटर पर काम करती है, ये हमारे जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है, स्कूल, कॉलेज हो या कोई दफ्तर इन गैजेट्स के बिना हमारा काम नहीं चलता है। कीबोर्ड पर लगातार वक्त बिताने से कमर दर्द, पीठ दर्द और गर्दन दर्द जैसी समस्याओं से तो हम अक्सर 2 चाहर होते है, लेकिन क्या आपने गौर किया है कि हमारे हाथ और और उंगलिया लॉन्ग वर्क के बाद थक जाते हैं। अगर आप भी लैपटॉप और कंप्यूटर पर लगातार काम करने से परेशान हैं तो अपने हैंड और फिंगर्स को इन आसान उपाय अपनाकर आराम दे सकते हैं।

सही पोजीशन जरूरी

लैपटॉप और कंप्यूटर का पोजीशन ये तय करता है कि आपको शारीरिक दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा या नहीं, लैपटॉप को उस जगह रखें जहां से आप आसानी से टाइट कर सकते हैं। अगर आपको ऐसा लग रहा है कि स्क्रीन काफी पास है जिससे टाइप करने में दिक्कत हो रही है, तो कीबोर्ड और स्क्रीन को एडजस्ट कर लें। लैपटॉप के केस में आप एक्ट्रा की बोर्ड अटैच कर सकते हैं।

दम लगाकर टाइप न करें

कुछ लोगों को कीबोर्ड पर दम लगाकर टाइप करने की आदत होती है, हालांकि कई बार जल्द टारगेट पूरा करने के प्रेशर में भी ऐसा किया जाता है. इससे परहेज करना जरूरी है, क्योंकि ऐसे में आपकी उंगलियों और हाथों पर दबाव पड़ेगा। इसले बचने के लिए हल्के हाथों से टाइप करें।

हाथों को स्ट्रेच करते रहें

लैपटॉप और कंप्यूटर पर काम करते वक्त थोड़ा ब्रेक लेते रहना जरूरी है इससे शरीर के अंगो को आराम मिलता है। आप एक काम निपटाने के बाद हाथों और उंगलियों को स्ट्रेच करें वरना परेशानी बढ़ सकती है। काम करते वक्त आप अपनी मुट्ठी को 2 से 4 बार जरूर बंद करें और खोलें। इसके अलावा उंगलियों और हाथों को पूरा फैलाने से काफी आराम मिलता है और दिक्कत से बच जाते हैं।

अमरूद ही नहीं इसके पत्ते भी हैं बड़े काम के

अमरूद एक ऐसा फल है जिसे हर उम्र के लोग काफी पसंद करते हैं, इसका लाल और सफेद पल्प बेहद लजीज होता है। आमतौर पर इस फ्रूट का सेवन डाइजेशन दुरुस्त करने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अमरूद के पत्ते भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। अगर इनके गुणों के बारे में आ जान जाएंगे तो इन पत्तों का सेवन जरूर करेंगे। अमरूद के पत्तों में ऐसे कई पोषक

तत्व पाए जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए बेहद आवश्यक हैं। इसमें कैल्शियम, पोटेशियम, सल्फर, सोडियम, आयरन, बोरोन, मैग्निशियम, मैंगनीज जैसे मिनरल होते हैं साथ ही विटामिन बी और विटामिन सी इन पत्तों की न्यूट्रीशनल वैल्यू बढ़ा देते हैं।

अमरूद के पत्ते कैसे खाएं

दांतों के दर्द में

अमरूद के पत्तों को औषधि की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। आप इसके अर्क को दर्द वाले दांतों पर लगा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप अमरूद के पत्तों को लौंग के साथ पीसकर दांतों पर लगाएंगे तो दर्द से जल्द निजात मिल जाएगी।

- अमरूद के पत्तों में कैलोरी की मात्रा न के बराबर होती है जिससे नसों में बैड कोलेस्ट्रॉल और पेट से चर्बी कम करने में मदद मिलती है। आप इन पत्तों को मिक्सर ग्राइंडर में पीसकर अर्क निकाल लें और पी जाएं। इसके जरिए मोटापा कम किया जा सकेगा।
- टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों के लिए अमरूद के पत्ते बेहद लाभकारी माने जाते हैं। इसके अर्क का सेवन किया जाए तो ब्लड शुगर लेवल मेंटेन करना आसान हो जाता है और तबीयत नहीं बिगड़ती।
- कई रिसर्च में ये साबित हुआ है कि अमरूद के पत्तों का अर्क पेट के लिए अच्छा माना जाता है, ये डाइजेशन को दुरुस्त रखने में मदद करता है। अगर आपको दस्त, गैस या किसी तरह की पेट की परेशानी है तो इन पत्तों के अर्क का सेवन जरूर करें।

मेकअप करते समय स्किन टोन का रखें खास ख्याल, वरना अजीब लगेगा चेहरा

हर लड़की की जिंदगी में मेकअप काफी अहम जगह रखता है। महिलाएं मेकअप का इस्तेमाल अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए करती हैं। लेकिन कई बार मेकअप करने के कुछ समय बाद से चेहरा अजीब सा या खराब लगने लगता है। बता दें कि इसके पीछे की वजह मेकअप का सही न होना है। गलत प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से आपका चेहरा अजीब दिख सकता है। आपने भी नोटिस किया होगा कि मेकअप करने के बाद चेहरे के आसपास की स्किन अजीब सी नजर आती है। कई बार स्किन का कलर भी अलग लगने लगता है। ऐसे में किसी भी मेकअप प्रोडक्ट का चुनाव करते समय अपनी स्किन टाइप का ध्यान रखना जरूरी होता है। जिससे कि मेकअप आपकी खूबसूरती को निखार सके। अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो मेकअप के जरिए भी आपके चेहरे के दाग-धब्बे नहीं छिप पाएंगे। अगर आपके फेस पर भी दाग-धब्बे हैं तो आपको इन मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इससे आपकी स्किन ग्लोइंग लगने लगेगी।

कलर करेक्टर- आजकल डार्क सर्कल की समस्या आम है। हर किसी के चेहरे पर डार्क सर्कल देखने को मिलता है। ऐसे में आपको सबसे पहले दाग-धब्बों के निशान के हिसाब से कलर करेक्टर चुनना चाहिए। अगर आप गलत कलर करेक्टर का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपके पूरे मेकअप को खराब कर सकता है।

कंसीलर- अपने चेहरे के दाग-धब्बों को छिपाने के लिए आप कंसीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसलिए कंसीलर खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि यह आपके स्किन कलर से मैच खाता हो। वैसे आप एक डार्क कलर टोन का कंसीलर भी चुन सकती हैं।

पालथी मारकर बैठना गर्भवती महिलाओं के लिए सुरक्षित

किसी भी महिला के लिए उसकी लाइफ में प्रेग्नेंसी सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस समय हर महिला को अपने ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस दौरान महिलाओं को अपने खान-पान से लेकर उठने बैठने, सोने जागने हर चीज का बहुत अच्छे से ध्यान रखना पड़ता है। नौ महीनों के दौरान बढ़ते पेट के कारण महिलाओं हर स्थिति में बैठना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गर्भवती महिला के मन में भी अपने बैठने को लेकर कई तरह के सवाल होते हैं। कई महिलाओं के मन में ये सवाल रहता है कि क्या पालथी मारकर बैठना प्रेग्नेंसी में सही होता है। आइए जानें...

डॉक्टर्स के मुताबिक महिलाएं प्रेग्नेंसी के दौरान पालथी मारकर बैठ सकती हैं। क्रॉस-लेग करके बैठना सबकी आदत होती है। कई लोग आज भी पालथी मारकर बैठना पसंद करते हैं। घर में पूजा पाठ के लिए भी क्रॉस लैग करके बैठा जाता हैं। कई महिलाएं घर का काम करते हुए भी पालथी मारकर बैठती हैं। प्रेग्नेंसी के समय कई महिलाएं योग और मेडिटेशन करना पसंद करती हैं, जिसमें क्रॉस लैग करके बैठा जाता है। लेकिन ऐसे समय में प्रेग्नेंट महिलाओं के पालथी मारकर बैठने को लेकर कई तरह के मिथक भी प्रचलित है। लोग अक्सर प्रेग्नेंट महिलाओं को इस स्थिति में ना बैठने की सलाह देते हैं। मिथक के मुताबिक पालथी मारकर बैठने से गर्भ में पल रहे बच्चे का सिर चपटा हो जाता है। कई बार गर्भनाल में भी परेशानी हो जाती है। गर्भ में बड़े हो रहे बच्चे को परेशानी हो सकती है। लेकिन ये सारी बातें सिर्फ मिथक है। प्रेग्नेंसी के दौरान कई महिलाओं को पालथी

मारकर भी बैठने की सलाह दी जाती है। इसके पीछे लोगों की धारणा है कि इस स्थिति में बैठना आपके बच्चे के प्रसव के लिए अच्छा है। लेकिन इस धारम का भी कोई सबूत नहीं है। लेकिन डॉक्टर कुछ प्रेग्नेंट महिलाओं को पालथी मारकर ना बैठने की सलाह देते हैं। जो पेल्विक गर्डल पेन, सिम्फिसिस पबिस डिसफंक्शन जैसी समस्याओं से पीड़ित महिलाओं को पालथी मारकर बैठने से रोका जाता है। कई बार लंबे समय तक कॉस लैग करके बैठने से पैरों और टखनों पर दबाव पड़ता है। जो आपके पैरों पर ज्यादा दबाव डाल सकता है। ज्यादा देर पालथी मारकर बैठने से आपके पैरों में सूजन की समस्या भी बढ़ सकती है। प्रेग्नेंसी में डॉक्टर्स महिलाओं को किसी भी पॉडिशन में ज्यादा देर तक बैठने से रोकते हैं, क्योकि इससे आपके कमर में खिंचाव हो सकता है।

- अगर आप अपनी प्रेग्नेंसी में पालथी मारकर बैठ रही हैं, तो ध्यान रखें अपने पैरों को थोड़ी थोड़ी देर पर हिलाए, अपनी जगह बदलते रहे। लेकिन अगर आपको बैठने में किसी भी तरह की समस्या हो, तो आप अपनी स्थिति को बदलना जरूरी है। जैसे-जैसे आपका पेट बढ़ता जाता है, आप अपने बैठने की पॉजिशन पर ध्यान दें। लेकिन जमीन पर उठने बैठने पर परेशानी होने पर आप जमीन पर बैठना इग्नोर करें। ऐसे में आप अपने बैठने के लिए कुर्सी या कम ऊंचाई वाला स्टूल यूज करें। लेकिन अगर आपको किसी भी तरह का खींचाव या परेशानी हो तो एक बार अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

अंसारी गैंग का सदस्य अवैध रिवाल्वर, कारतूस संग गिरफ्तार, समर्थकों ने किया थाने पर पथराव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश क्रम में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में अंसारी गैंग के सहयोगी तथा फरार चल रहे बदमाश अमित राय को करीमुद्दीनपुर पुलिस ने शुक्रवार की रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के विरोध में गिरफ्तार अमित राय के पिता रामप्रवेश राय अपने सहयोगियों तथा गांव की महिलाओं के साथ थाने पर घेराव करने लगे। पुलिस का कहना है कि विरोध करने वाले आरोपी बदमाश को छुड़ाने की कोशिश में नारेबाजी करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। इसके चलते पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार जोगा मुसाहिब निवासी अमित राय पर हत्या, हत्या का प्रयास, गैंगेस्टर एक्ट समेत 28 मुकदमें दर्ज हैं। करीमुद्दीनपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे शुक्रवार की रात आठ बजे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ग्राम प्रधान का पुत्र भी है, जिसके चलते गिरफ्तारी के विरोध में सौ से अधिक महिला-पुरुष करीमुद्दीनपुर थाने पर करीब रात 12 बजे पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने समझाने की कोशिश की तो वे मारपीट पर उतारू हो गए तथा पथराव करने लगे। इसके चलते पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। सूचना पर क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद, भांवरकोल, बरेसर थाने की भी पुलिस फोर्स पहुंची। उधर, शनिवार की सुबह भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ मुहम्मदाबाद न्यायालय में पेश किया गया। सीओ मुहम्मदाबाद ने बताया कि अमित राय कुख्यात अपराधी है इसके खिलाफ अनेक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने गिरफ्तार किया है और थाने पर प्रदर्शन करने वाले लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुरेश कुमार मौर्या, उप निरीक्षक श्रीकांत यादव, हेड कांस्टेबल विनोद यादव, कांस्टेबल शारदा प्रसाद शामिल रहे।

जल निगम कर्मचारियों का दर्द, 5 माह से नहीं मिला वेतन और पेंशन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला उपाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश जल निगम कर्मचारी महासंघ जनपद इकाई गाजीपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि 5 माह से बकाया वेतन व पेंशन न मिलने से कर्मचारियों ने अपनी मांग को लेकर आवाज उठाया और कर्मचारियों ने कहा कि वेतन और पेंशन न मिलने से जीवन जीना दुश्वार हो गया है। और दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही है । कर्मचारियों द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि राज्य कर्मचारी की भांति हमको भी सातवां वेतनमान का लाभ दिया जाए क्योंकि सारे विभाग में सातवां वेतनमान का लाभ मिल रहा है। जल निगम में जो 2016 में लागू हो जाना चाहिए था, वो लाभ जल निगम को नहीं मिल रहा है। इसलिए 5 माह का वेतन वह पेंशन सातवां वेतनमान का लाभ लागू किया जाए। जल निगम प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद भी जल निगम प्रशासन कर्मचारियों का पीड़ा समझ नहीं रहा है। आए दिन भीषण गर्मी के समय में कर्मचारी मर रहे हैं और घर चलाना मुश्किल हो गया है । कर्मचारी अपने मां-बाप का इलाज पानी बुढ़ापे का सहारा, राशन पानी तरह तरह की कठिनाइ उठाना पड़ रहा है। फिर भी फिर भी कर्मचारियों का दर्द व जल निगम प्रशासन उत्तर प्रदेश शासन अनसुनी कर रहा है। इसलिए हम कर्मचारियों ने उत्तर प्रदेश जल निगम प्रशासन व उत्तर प्रदेश शासन से एक बार फिर गुहार लगा रहे हैं की हम लोग की समस्या का निराकरण कराएं नहीं तो हम आपस में कर्मचारी बैठकर धरना प्रदर्शन करने पर बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। उपस्थित कर्मचारी मनोज कुमार अभिषेक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव, जितेंद्र यादव, वीरेंद्र कुमार, विवेकानंद, सुभाष यादव , अंगद दुबे, संजय शर्मा, अंगद सिंह, आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

पसमांदा मुस्लिम समाज को भाजपा से जोड़ने के लिए चलेगा विशेष अभियान : सुनील बंसल

नई दिल्लीः आज नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील बंसल ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक द्वारा लिखित पसमांदा तहरीक पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि पिछले 9 वर्षो के भाजपा शासन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों के बदौलत पसमांदा मुस्लिम समाज को समाज की मुख्यधारा में लाने का सफल प्रयास हुआ है, पिछली सरकारों ने जहां पसमांदा मुस्लिम समाज को सिर्फ वोट बैंक समझा वहीं भाजपा सरकार ने पसमांदा समाज को राजनितिक प्रतिनिधित्व दिया जिसमे सरकार में पसमांदा मुसलमानो का सामाजिक आर्थिक व राजनितिक लाभ हुआ, पप्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने समाज के हर वर्ग तक पहुंचने का प्रयास किया व हर जरूरतमंद को सरकार की योजनाओं को पहुँचाया है, योजनाओं का लाभ पाया हुआ एक बड़ा लाभार्थी तबका पसमांदा मुस्लिम समाज से आता है जिस कारण आज पसमांदा मुसलमानो की पहली पसंद प्रधानमंत्री बने हैं और पसमांदा मुस्लिम समाज का विश्वास मोदी जी में बना है, सुनील बंसल जी ने पसमांदा मुसलमानो को भाजपा से जोड़ने के लिए देश भर में विशेष अभियान चलाने को लेकर कहा कि भाजपा बूथ स्तर तक पसमांदा मुसलमानो को जोड़ेगी व जुड़े हुए लोगो के साथ जल्द ही भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ पसमांदा संवाद कार्यक्रम शुरू किये जायेंगे जिससे पसमांदा मुस्लिम समाज के लोगों का सीधा संवाद भाजपा से होगा व विपक्ष द्वारा जो मुसलमानो को बरगलाने व डराने का प्रयास किया जाता है उसको भी रोकने में मदद मिलेगी, इस मौके पर आये हुए पसमांदा मुस्लिम समाज के लोगो ने भी पुस्तक विमोचन करने पर श्री सुनील बंसल जी का धन्यवाद किया।

दहेज हत्या के चार आरोपी गिरफ्तार भेजे गए जेल

प्रखर गंभीरपुर आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के मिजार्पुर दयालपुर निवासी आरती चौहान पत्नी राहुल चौहान कि शुक्रवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्मार्टम के लिए भेज दी थी। मायका पक्ष से आरती के पिता संजय चौहान पुत्र दुक्खी चौहान निवासी बेलचौरा थाना सरायलखन्सी जनपद मऊ द्वारा प्रार्थनापत्र दिया गया कि मेरी पुत्री आरती चौहान जिनकी शादी राहुल चौहान निवासी ग्राम दयालपुर (मिजार्पुर) थाना गम्भीरपुर जनपद आजमगढ के साथ हुयी थी उसके पति तथा परिवार वालो द्वारा दहेज को लेकर मेरी लड़की की हत्या कर दिये जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु.अ.स. 201/2023 धारा 498ए/304बी भादवि व 3/4 डी.पी. एक्ट बनाम राहुल चौहान समेत 5 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना क्षेत्राधिकारी सदर महोदय द्वारा सम्पादित की जा रही है। क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा अभियुक्तगणो की तत्काल गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिये गये थे जिस क्रम मे गंभीरपुर थानाध्यक्ष मय हमराह के वांछित अभियुक्तगणो के घर ग्राम दयालपुर मिजार्पुर पर दविश दिया गया जिसमे अभियुक्त राहुल चौहान पुत्र मुसाफिर चौहान उम्र 29 वर्ष, मुसाफिर पुत्र स्व. छविराज उम्र 52 वर्ष, मोनम पुत्र मुसाफिर उम्र 23 वर्ष, शीला देवी पत्नी मुसाफिर उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम दयालपुर थाना गम्भीरपुर जनपद आजमगढ को शनिवार की सुबह लगभग 10:00 बजे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

सांसद की अध्यक्षता में इलेक्ट्रीसिटी कमेटी की बैठक सम्पन्न

प्रखर जौनपुर। सांसद श्याम सिंह यादव की अध्यक्षता में इलेक्ट्रीसिटी कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को सम्पन्न हुई। कमेटी के संयोजकगण ई० विवेक खन्ना एवं ई० आर०बी० राय, अधीक्षण अभियन्ता द्वारा समिति के समक्ष पिछले 4 सालों में विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को सुचारू पूर्वक विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित कराये गये कार्यों से अवगत कराया। समिति के सदस्यों ने सुचारू विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित अनेक सुझाव दिये जिसे समिति के संयोजकों द्वारा कराये जाने का आश्वासन दिया गया। सांसद श्याम सिंह यादव द्वारा अधीक्षण अभियंता विद्युत से सौभाग्य योजना के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की और पूछा कि इसके तहत अब तक कुल कितने विद्युत कनेक्शन दिए गए हैं अधीक्षण अभियंता विवेक खन्ना द्वारा अवगत कराया गया कि जिन भी जगहों पर अभी तक विद्युतीकरण नहीं किया गया है उन सभी जगहों पर विद्युतीकरण कराना सौभाग्य योजना का उद्देश्य है। इसके तहत अब तक लगभग दो लाख कनेक्शन दिए जा चुके हैं साथ ही यह भी अवगत कराया कि जनपद में कई स्थानों पर सोलर लाइट भी लगाए गए हैं इस पर सांसद ने कहा कि जिन जिन स्थानों पर सोलर लाइट लगाए गए हैं इसकी सूची शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। बैठक में माननीय विधायकगणों द्वारा विद्युत संबंधी अनेक शिकायतें जैसे कई जगहों पर ट्रांसफार्मर लगी हैं पर उसमें विद्युत प्रवाह अभी भी नहीं हो रहा है। तार डंप, अत्यधिक बिजली बिल का आना आदि शिकायतें माननीय सांसद जी के समक्ष उठाई गई। इस पर सांसद द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऐसे स्थानों की ब्लॉक वार सूची बनाई जाए जहां से विद्युत संबंधी शिकायतें प्राप्त की जा सकती है और नोडल अधिकारी बनाये जाए, जो सभी शिकायतें दर्ज करें और उस पर अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मजरेवार सर्वेक्षण कराया जाए कि जनपद में कहां कितनी विद्युत कनेक्शन हैं और कहां कितने शेष हैं। विद्युत विभाग अपनी पुरानी कार्यप्रणाली की पद्धति को छोड़कर नवाचार अपनाएं एवं विद्युत विभाग से संबंधित आवश्यक सूचनाएं वेबसाइट पर अद्यतन करें। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी द्वारा शिकायत किया गया कि विकासखंड सिकरारा के महेशपुर एवं पांडेयपुर गांव में ट्रांसफॉर्मर नहीं है जिस पर अधीक्षण अभियंता विद्युत द्वारा जल्द से जल्द ट्रांसफॉर्मर लगवाने का आश्वासन दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा द्वारा अध्यक्ष को आश्वासन दिया गया कि विद्युत संबंधी जितने भी सुझाव दिए गए हैं उस पर अमल किया जाएगा। समिति के सदस्यों को ई० विवेक खन्ना द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों में मुख्य रूप से राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी, एम०एल०सी० बृजेश सिंह प्रिन्सू, विधायक मुंगराबादशाहपुर पंकज पटेल, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, विधायक जफराबाद जगदीश नारायण राय एवं अन्य विधायकों के प्रतिनिधियों, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, कार्यदायी संस्था मे० मोन्टे कार्लो के प्रतिनिधि द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एसडीओ के दुर्व्यवहार से छुब्ध भाजपाई ने कोतवाली में किया प्रदर्शन

प्रखर जौनपुर। बिजली विभाग के एसडीओ के व्यवहार से छुब्ध दो दर्जन से ज्यादा भाजपाइयों ने कोतवाली में प्रदर्शन करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। मामले में पुलिस दोनों पक्षो की तहरीर लेकर जांच पड़ताल कर रही है। आरोप है कि शुक्रवार शाम भाजपा मंडल के मंत्री संजय मिश्रा बिजली विभाग के कार्यलय पर मुसहर बस्ती की समस्या को लेकर गए थे, जिस दौरान एसडीओ मनीष सिंह से उनका विवाद हो गया। एसडीओ द्वारा तत्काल पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुची पुलिस ने दोनों पक्षो को समझाते हुए चौकी आने को कहा, जहां संजय मिश्रा का आरोप है कि एसडीओ द्वारा काम के बदले पैसे की मांग की गई, मना करने पर अपशब्दों का इस्तेमाल उनके साथ और वनवासियों के साथ किया गया। वही एसडीओ मनीष सिंह का आरोप है कि संजय मिश्रा थानागद्दी बाजार के एक व्यक्ति के ऊपर लगे फाइन के मामले में आए थे और काम करने का दबाव बना रहे थे। जिस दौरान विवाद और गाली गलौज किया। शनिवार की सुबह 11 बजे दो दर्जन से ज्यादा भाजपाइयों व वनवासी महिला और पुरुषों ने केराकत कोतवाली पहुँच पर मुख्य गेट पर प्रदर्शन करते हुए कोतवाल जय प्रकाश यादव को एसडीओ के खिलाफ तहरीर दी। मामले में कोतवाल जय प्रकाश यादव ने बताया कि एसडीओ और संजय मिश्रा दोनों लोगो ने तहरीर दी है, मामले में जांच पड़ताल व उच्च अधिकारियों से राय लेकर कार्यवाई की जाएगी। प्रदर्शन करने वालों में किसान मोर्चा के महामंत्री सुदर्शन सिंह, मंडल अध्यक्ष रामसमुझ निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष गुल्ली पांडेय, महामंत्री हरिराम पाल उपाध्यक्ष अमित सिंह व अन्य वनवासी बस्ती के लोग रहे।

सरकारी जमीन को खाली कराने गई राजस्व टीम से भिड़ा दबंग जरीब लेकर भागा

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के अफलेपुर गांव में सरकारी जमीन की नाप करने गए राजस्व टीम से दबंग महिला पुरुष भिड़ गया और पुलिस से नोकझोंक करते हुए पथर गड्डी का पत्थर उखाड़ फेंका और राजस्व टीम की नाप जरीब को लेकर भाग गया। इसका वीडियो भी वायरल हो गया। हालांकि आरोपी एक युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार ग्राम सभा अफलेपुर में शासन की ओर से आरआरसी सेंटर बनाने के लिए निर्देश आया हुआ है। जिसके क्रम में ग्राम प्रधान राजाराम जयसवाल ने सरकारी जमीन पर सेंटर बनवाने के लिए राजस्व कर्मियों से संपर्क किया और एसडीएम शाहगंज के आदेश पर तहसीलदार शैलेंद्र कुमार, कानूनगो रामचंद्र, लेखपाल रमेश बिंद व पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और 16 विश्वा सरकारी जमीन मे आरआरसी सेंटर की जमीन के लिए नाप शुरू हो गई पत्थर गड्डी होने लगी। इसी दौरान सरकारी जमीन पर अपना कब्जा का दावा करते हुए गाँव के संतोष गौतम उसकी पत्नी और उसके पिता मौके पर पहुंच गए पहले, तो पुलिसकर्मियों से नोकझोंक मारपीट की धमकी देते हुए राजस्व टीम से भिङ गया लाठी लेकर मारने दोड़ा लिया और नाप कर पत्थर गड्डी किया हुआ पत्थर उखाड़ फेंका, इसके बाद नाप करने वाली सरकारी जरीब को दबंग पति पत्नी लेकर भाग गया । हालांकि इस घटनाक्रम का वहां के एक युवक ने आधा अधूरा वीडियो बना लिया था, और जो वायरल हो गया ।अफलेपुर गांव मात्र एक ही सरकारी जमीन थी, जहां थोड़े जमीन पर सेन्टर बनना है। लेकिन पुलिस राजस्व टीम सरकारी जमीन से अवैध कब्जे को हटवाने में नाकाम रहे और वहा कब्जा जताने वाले परिवार ग्राम प्रधान समेत अन्य लोगों को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दिया। पुलिस ने एक आरोपी युवक संतोष को हिरासत में लेकर जरीब को बरामद कर लिया। इस बारे में प्रधान राजाराम जयसवाल का कहना है कि वहां 16 बिस्वा सरकारी जमीन है लेकिन मनमानी रूप से एक दबंग परिवार द्वारा सभी जमीन पर कब्जा कर लिया और द्वारा ना करने गई टीम व अन्य सभी को फर्जी मुकदमे मे फंसाने की धमकी आये दिन देता है।शासन द्वारा चयनित इस गांव मे आरआरसी सेंटर का निर्माण के लिए दो विस्वा जमीन नहीं मिल पा रही है। जब वहां निर्माण कार्य करने का प्रयास किया तो दबंग पति पत्नी फर्जी एसटीएससी मुकदमे में फंसाने की धमकी भी देते हैं।

खत्री हितकारिणी सभा ने लगाई ठंडे पानी की मशीन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्थानीय शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय में खत्री हितकारिणी सभा ने प्रचंड गर्मी में मरीजों और उनके सहयोगियों के सहायता हेतु एक शीतल जल मशीन स्थापित करवाई। संरक्षक अशोक धवन (एम एल सी) ने कहा की इस भीषण गर्मी में आम व्यक्ति के लिये साफ और शुद्ध पानी की स्थाई व्यवस्था करना पुण्य का कार्य है` अध्यक्ष डॉ अश्वनी टण्डन ने बताया की हमारी संस्था मानवता हेतु सेवा कार्य करने को कटिबद्ध है सेवा से आत्मसंतुष्टि मिलती है` महामंत्री मुकेश कक्कड़ ने बताया की हम पूरे वर्ष में सेवा समर्पित करने को प्रयासरत रहते है पूर्व में भी ठंडे पानी की मशीन आर ओ सहित शहर में एक स्थान पर लगवायी गई थी आज यहाँ लगवाई दी गई और भी स्थान पर जरूरत अनुसार शुद्ध पानी उपलब्ध कराने का संस्था का प्रयास जारी रहेगा। शीतल जल यंत्र का उद्घाटन सीएमओ डॉ संदीप चौधरी व मेडिकल अधीक्षक डॉ एस पी सिंह ने किया` उपस्थित डॉ अनुराग टण्डन और शिव शंकर कपूर ने एक और शीतल जल यंत्र लगवाने की घोषणा की इस अवसर पर डॉ अनुराग टण्डन,अमित धवन , हरीश वालिया , राजीव खन्ना , शम्मी खत्री , विनीत मेहरा , डॉ सुदेश खन्ना , पवन महरोत्रा , नवनीत टंडन , सुधीर भल्ला , शिव शंकर कपूर,राजीव महरोत्रा, वैभव , डॉ संजीव सिंह आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भीषण गर्मी से मकरी कुण्ड में हुई मछलियों की मौत

प्रखर जौनपुर। सरपतहां थाना क्षेत्र सुरापुर से सटे पवित्र पावन बिजेथुआ धाम मंदिर में जहां हनुमान भक्तों के द्वारा प्रतिदिन दर्शन पूजन करने के लिए लोग जाते हैं और मकरी कुण्ड जहां पर हनुमान जी के द्वारा जब भगवान लक्ष्मण को लक्ष्मण शक्ति लगी थी तब संजीवनी बूटी के लिए जा रहे थे उसी दौरान इसी मकरी कुण्ड में कालनेमी जैसी राक्षसी का हनुमान जी ने वध किया था। इसी मकरी कुण्ड में दिन शनिवार को सुबह जब हनुमान भक्तों के द्वारा मछलियां को चारा डालने के लिए गए तब मछलियां ऊपर तैर रही थी।जब उन मछलियो के पास भक्तों ने स्पर्श करके देखा तब सभी मछली मृतक पायी गई। इन मछलियों के मृतक के रूप में देखने पर सभी भक्तों को आश्चर्य चकित हो गए। क्या कारण है कि एका एक सभी मकरी कुण्ड की मछलियां मृतक हो गई। यहां हनुमान जी के मंदिर पर हजारों भक्तों के द्वारा प्रतिदिन दर्शन पूजन किया जाता है और मकरी कुण्ड में सर्वप्रथम भक्तों के द्वारा हाथ पैर धूलना, स्नान करना, मछलियों को चारा डालना तब जाकर दर्शन किया जाता है।

कार सवारों के साथ हुई लूट का मुकदमा दर्ज

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर । वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित परमहंस आश्रम के पास बुधवार की देर रात कार सवारों के साथ असलहा दिखाकर हुई लूट के मामले में पुलिस ने सादिक हुसैन की तहरीर पर शुक्रवार को मुकदमा दर्ज करते हुए घटना में शामिल अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष कुमुद शेखर सिंह ने बताया की वाराणसी शक्तिनगर रोड पर सुकृत सोनभद्र की सीमा पर स्थित परमहंस आश्रम के पास वाराणसी से दवा लेकर वापस लौटते समय सादिक की कार पंचर हो गई थी कार का टायर ठीक करते समय मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाश पीछे से आएं और तमंचा दिखाकर कार में बैठी महिला का 18 हजार रुपए कान का टॉप्स एवं सोने की चैन लेकर फरार हो गए थे। सूचना मिलने पर हरकत में आई पुलिस लूटेरों की तलाश में जुट गई है। थानाध्यक्ष ने बताया की कार में एक महिला सहित तीन लोग सवार थे। थानाध्यक्ष ने बताया की लूटेरों की की जा रही है।

रघुकुल यथार्थ बने आप स्टूडेंट्स विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आम आदमी पार्टी के स्टूडेंट विंग के विस्तार के क्रम में वाराणसी के छात्र नेता और सामाजिक कार्यकर्ता रघुकुल यथार्थ को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश प्रवक्ता मुकेश सिंह ने बताया कि काशी विद्यापीठ के छात्र काशी कीर्ति सम्मान और काशी सेवा सम्मान से सम्मानित रघुकुल यथार्थ के लगातार छात्रों हित संघर्ष को देखते हुए राज्यसभा सांसद संजय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष वंशराज दुबे के अनुशंसा से आम आदमी पार्टी के छात्र इकाई छात्र युवा संघर्ष समिति के उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष और वाराणसी मंडल का प्रभारी बनाया गया रघुकुल यथार्थ निरंतर छात्र हित के लिए संघर्ष करते आए हैं और समाज सेवा मे भी सदैव आगे रहते है इसके पूर्व मे वो छात्र युवा संघर्ष समिति के महानगर अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष और प्रदेश सचिव के दायित्व का निर्वहन कर चुके है रघुकुल यथार्थ ने कहा कि मुझे ये महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देनें के लिए संगठन के शीर्ष नेताओं का बहुत- बहुत आभार की आपने मुझे इस योग्य समझा मैं पूरी ईमानदारी से इस दायित्व का निर्वहन करूंगा और ये उपलब्धी केवल मेरी नहीं है ये उपलब्धी मुझसे जुड़े हर व्यक्ती की है जो हमेशा मेरे हर संघर्ष मे कंधे से कंधा मिलाकर चलते है और मुझे मजबूती प्रदान करते है इस उपलब्धि पर संगठन के लोगों ने खुशी जाहिर की है।

डॉ. सीमा सिंह को बेसिक शिक्षा मंत्री ने किया सम्मानित

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ मे बेसिक शिक्षा मंत्री स्वतन्त्र प्रभार संदीप सिहं ने राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता मे बेहतर प्रदर्शन करने वाली सीटी विकास खंड की ए आर पी एव कमपोजिट विद्यालय अघौली की सहायक अध्यापिका डा सीमा सिंह को सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक डा. अंजना गोयल सयुंक्त निदेशक डां. पवन कुमार सहित बेसिक शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। योग प्रतियोगिता प्रदेश मुख्यालय पर 15 से 20 जून तक सम्पन्न हुई जिसमें प्रतेक जिले से चयनित होकर आये एक पुरुष और एक महिला प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया था। बता दें की बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा यह प्रतियोगिता 2018 से प्रारंभ की गई है जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों ,बच्चों व समाज मे लोगों को योग के प्रति जागरूक बनाना है। डा सीमा सिंह न सम्मानित होकर जिले एवं बेसिक शिक्षा विभाग का नाम रोशन किया है। सीमा सिंह को डायट प्राचार्य, बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद, खंड शिक्षा अधिकारी रविन्द्र शुक्ल प्रवक्ता शारीरीक शिक्षा सहित जनपद के शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई दी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं।